दैनिक पंचांग

सूर्योदयः 06:52 ए एम
सूर्यास्तः 05:24 पी एम
तिथिः द्वितीया - 10:34 पी एम तक
नक्षत्रः ज्येष्ठा - 05:21 पी एम तक
योगः सुकर्मा - 08:44 ए एम तक
क्षय योगः धृति - 05:00 ए एम, नवम्बर 26 तक
करणः बालव - 12:07 पी एम तक
पक्षः शुक्ल पक्ष
वारः शुक्रवार

Digital Edition

हिन्दी दैनिक

झारखण्ड देखो

खबरें, कहानी, लोग और बहुत कुछ

www.jharkhanddekho.com • वर्ष 2022 • अंक 239 • पृष्ठ 8 • दुमका, शुक्रवार 25 नवंबर 2022 • मूल्य 2 रुपये Email - Jharkhanddekho@gmail.com | epaper - Jharkhanddekho.com

UDISE Code- 20110108005, JEPC Code- RTE/20/2021-22
Affiliated By Jharkhand Education Project Council
RGS gurukulam
(An Unit of Shatan Ashram)
Bright Future for your Kids
For More Detail : www.rgsgurukulam.com, Email- gurukulamrgs@gmail.com
Dhadhkia, Dumka, Mob.- 8409399342 (Principal), 7903712653 (Vice Principal)

Opening Shortly IX to X
Class Nursery to VIII
Medium Hindi & English
Admission Open
School Van Facility Available
For More Detail : www.rgsgurukulam.com

अगले 25 सालों के लिए गुजरात का भविष्य तय करेगा यह चुनावः पीएम मोदी

नई दिल्ली/एजेंसी।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने बृहस्पतिवार को कहा कि गुजरात का आगामी विधानसभा चुनाव ना तो विधायक और ना ही सरकार चुनने को लेकर है बल्कि यह अगले 25 सालों के लिए राज्य की किस्मत तय करने को लेकर है।

बनासकांठा जिले के पालनपुर में आयोजित एक चुनावी सभा को संबोधित करते हुए मोदी ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी के नेतृत्व वाली केंद्र और गुजरात की सरकारों ने राज्य में विकास के बहुत सारे काम किए हैं लेकिन अब समय ''लंबी छलांग'' लगाने का है। गुजरात की 182-सदस्यीय विधानसभा के लिए दो चरणों में मतदान होना है। पहले चरण का मतदान एक दिसंबर को और दूसरे चरण का मतदान पांच दिसंबर को होगा। बनासकांठा जिले में दूसरे चरण के तहत पांच दिसंबर को मतदान होना है। मोदी ने कहा, 'यह चुनाव इसके लिए नहीं है कि कौन विधायक बनेगा और किसकी सरकार बनेगी। यह चुनाव कुल मिलाकर अगले 25 सालों के लिए गुजरात का भविष्य तय करने को लेकर है।'

प्रधानमंत्री ने कहा कि वह गुजरात को विकसित देशों की श्रेणी में खड़ा करने के प्रयास कर रहे हैं। उन्होंने कहा, 'समय आ गया है अब एक लंबी छलांग लगाने का। एक मजबूत सरकार बनाने के लिए मुझे आपका समर्थन चाहिए।

वोट बैंक की राजनीति ने देश को बर्बाद किया

मेहसाणा/एजेंसी।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बुधवार को कांग्रेस पार्टी पर निशाना साधते हुए कहा कि 'कांग्रेस मॉडल' का मतलब भाई-भतीजावाद, जातिवाद, संप्रदायवाद और वोट बैंक की राजनीति है।उत्तरी गुजरात के मेहसाणा में एक रैली को संबोधित करते हुए, जहां अगले महीने दो चरणों में विधानसभा चुनाव होने हैं, मोदी ने कहा कि कांग्रेस ने न केवल गुजरात बल्कि पूरे देश को नष्ट कर दिया। प्रधानमंत्री ने जनता को संबोधित करते हुए कहा, 'कांग्रेस मॉडल का मतलब भ्रष्टाचार, भाई-भतीजावाद, वंशवादी राजनीति, संप्रदायवाद और जातिवाद है। वे वोट बैंक की राजनीति में लिप्त होने और सत्ता में रहने के लिए लोगों के बीच दरार पैदा करने के लिए जाने जाते हैं।' उन्होंने कहा, 'इस मॉडल ने न केवल गुजरात बल्कि भारत को भी बर्बाद कर दिया है। यही कारण है कि आज हमें देश को आगे ले जाने के लिए कड़ी मेहनत करनी है।'

दिल्ली-हावड़ा रूट पर बुलेट ट्रेन जल्द

बक्सर/एजेंसी। बिहार से दिल्ली जाने के लिए रेलवे की तरफ से एक बड़ी सौगात की कवायद चल रही है। रेलयात्रियों की सुविधा को देखते हुए रेलवे ने एक बड़ा कदम उठाया है. बहुत जल्द दिल्ली-हावड़ा रूट पर बुलेट ट्रेन दौड़ेगी। इस प्रक्रिया को पूरी करने को लेकर पंडित दिनदयाल से लेकर पटना-हावड़ा मार्ग पर काम चल रहा है. पटरी बदली जा रही है। संभावना है कि बक्सर में उसका स्टॉपेज भी हो सकता है. रेलवे के अधिकारी और जिला प्रशासन स्टेशन और ट्रैक बनाने के लिए जमीन चिह्नित करने की तैयारी में है. बुलेट ट्रेन का परिचालन पटना से शुरू होने के बाद अब पटना से दिल्ली तक का सफर महज छह घंटे में पूरा हो जाएगा। इसके लिए बिहार में हाइ स्पीड रेल कॉरिडोर के सर्वे का काम पूरा हो गया है।

गुजरात चुनावः हम सीटों व मत प्रतिशत के लिहाज से सभी रिकॉर्ड तोड़ देंगेः अमित शाह

नई दिल्ली/एजेंसी।

गुजरात में होने वाले विधानसभा चुनाव के पहले चरण के लिए प्रचार-प्रसार अपने चरम पर है. भाजपा, कांग्रेस से लेकर आम आदमी पार्टी ताबड़तोड़ रैलियां कर रही हैं और गुजरात में अपनी-अपनी जीत का दावा कर रही हैं. भारतीय जनता पार्टी के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी भी ताबड़तोड़ रैलियां कर रहे हैं. आज गुजरात में प्रधानमंत्री मोदी की चार जनसभाएं हैं. पीएम मोदी, पालनपुर, मोडासा, दहेगाम और बावला (अहमदाबाद) में अलग-अलग समय पर जनसभा को संबोधित करेंगे, जिसकी शुरुआत आज पालनपुर से हो गई. इससे पहले पीएम मोदी ने बुधवार को दाहोद, मेहसाणा, वडोदरा और भावनगर में जनसभा को संबोधित किया था. इतना ही नहीं, भाजपा की ओर से अमित शाह, जेपी नड्डा और सीएम योगी भी गुजरात में मोर्चा संभाल रहे हैं। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने बुधवार को कहा कि जब कांग्रेस सत्ता में थी तब गुजरात के लोग डर के साए में रहते थे क्योंकि पार्टी ने असामाजिक तत्वों को संरक्षण दिया हुआ था. उन्होंने कहा कि कांग्रेस के लंबे शासन के दौरान, गुजरात में दंगे होना और कर्फ्यू लगना आम बात थी. प्रधानमंत्री अगले महीने होने वाले विधानसभा चुनाव से पहले भाजपा उम्मीदवारों के समर्थन में वडोदरा में एक चुनावी रैली को संबोधित कर रहे थे।

ASHOKA LIFE CARE
YOUR WAY TO BETTER HEALTH
Nucare Hospital
1st Private Setup in Santhal Paragna | Modular OT | Oxygen Plant

DR. TUSHAR JYOTI
MBBS, M.S. (Ortho)
MCh (Ortho)
Senior Orthopedic Consultatnt

DR. NURUL HUDA
MBBS, MD
Anesthesia

DR. INDRADEV KISKU
MBBS
General Medicine

DR. PARVEJ ALAM
MBBS
General Medicine

DR. UJJAWAL SINHA
MBBS, DNB (Ortho), Anthroscopic & Arthroplasty Surgeon

DR. AVIJEET
MBBS, M.S. (Ortho)
DNB (Ortho)

DR. IFTIKAR AHMAD
MBBS (Ortho)

DR. SHASHI
MBBS
M.S. (Gen. Surgery)

OUR FACILITY
1. Orthopedics
Joint Replacement.
Joint Arthroscopy
Spine Injuries
2. Complex Trauma
3. General Surgery
4. Physiotherapy
5. ICU
6. DR System X-RAY
7. Laboratory Service
(Home Collection done)
8. Pharmacy

यदि आपको निम्नलिखित समस्या है
• खेल से संबंधित चोटें
• घुटनों के लिगामेंट की चोटें
• कंधे की चोटें
• कंधा का बार-बार उतरना
• मांसपेशियों की चोट
• दूरबीन के ऑपरेशन
• पी.आर.पी. ट्रीटमेंट
• स्पोर्टस फिजियोथेरेपी

दर्द का इलाज
बिना ऑपरेशन
आधुनिक दवाइयों और इंजेक्शन के द्वारा आपके सभी तरह के दर्द का उचित इलाज
कमर दर्द, स्लीप डिस्क, गर्दन दर्द, घुटनों का दर्द, जोड़ों का दर्द, गठिया का दर्द, टखने एवं एड़ी का दर्द सर दर्द, स्पोर्टस इन्जूरी, नसों का दर्द, कैंसर का दर्द

डॉ. समीर सौरभ
पेन स्पेशलिस्ट
M.B.B.S., M.D., FIPM (GER)

आयुष्मान भारत मुख्यमंत्री जन आरोग्य योजना 5 लाख रु. तक गरीब परिवारो का मुफ्त स्वास्थ्य बीमा

CALL 7480942213
KUMHAR PARA
DUMKA, JHARKHAND

संक्षिप्त समाचार

केजरीवाल की हत्या की साजिश रच रही है भाजपाः सिसोदिया

नई दिल्ली/एजेंसी। दिल्ली के डिप्टी सीएम मनीष सिसोदिया ने आरोप लगाया है कि भाजपा मुख्यमंत्री केजरीवाल की हत्या की साजिश रच रही है। अपने ट्वीट में सिसोदिया लिखते हैं, 'गुजरात व एमसीडी चुनाव मे हार के डर से बौखलाई भापजा अरविंद केजरीवाल की हत्या की साजिश रच रही है। इनके सांसद मनोज तिवारी खुलेआम अपने गुंडो को अरविंद जी पर हमला करने के लिए कह रहे है और इसकी पूरी प्लानिंग कर ली है अअढ इनकी टुच्ची राजनीति से नही डरती,इनके गुंडागर्दी का जबाव अब जनता देगी।' इसके मुद्दे पर आप सांसद संजय सिंह ने भी प्रतिक्रिया दी है। अपने ट्वीट में वह लिखते हैं, भापजा चुनाव तो जीत नही सकती, अरविंद केजरीवाल की हत्या करने की साज़िश रच रही है।

चाहे जितना दूर जाना पड़े दुआरे राशन करके रहेंगे : ममता

कोलकाता/एजेंसी। विधानसभा में मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने दुआरे राशन को लेकर कही बड़ी बात। मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने कहा कि चाहे जितना दूर जाना पड़े दुआरे राशन करके रहेंगे। बता दें दुआरे राशन को लेकर कोर्ट में मामला चल रहा है। मुख्यमंत्री कहा कि जब मैं कुछ करने जाती हूं तो कुछ लोग कोर्ट में चले जाते हैं। मैं विधानसभा के माध्यम से कोर्ट से अपील करूंगी कि जो भी मैं करने की योजना बना रही हूं यह सारी चीजें लोगों की सुविधा के लिए की जा रही है।

पूरे देश को रोशनी झारखंड के कोयले से मिलती हैः सीएम

नयी दिल्ली/एजेंसी।

मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने ये बातें नयी दिल्ली के प्रगति मैदान में चल रहे 41वें अंतर्राष्ट्रीय व्यापार मेले में कही. श्री सोरेन यहां गुरुवार को आयोजित झारखंड दिवस में मुख्य अतिथि के तौर पर शिरकत करने पहुंचे थे. उनके साथ उनकी पत्नी कल्पना सोरेन भी मौजूद थीं। श्री सोरेन और उनकी पत्नी ने झारखंड पवेलियन का दौरा किया. यहां भगवान बिरसा मुंडा की मूर्ति पर माल्यार्पण किया और सांस्कृतिक कार्यक्रम में शामिल हुए. कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने कहा कि देश में कई प्रगति मैदान की जरूरत है, ताकि देश-विदेश के लोगों को विभिन्न राज्यों की कला और संस्कृति को समझने का मौका मिल सके।

सभी युवाओं में क्षमता व हुनर होता है और इसी के आधार पर वे राज्य, देश व अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर अपनी पहचान बनाते हैं. झारखंड ऐसी प्रतिभाओं को मौका और मंच दोनों मुहैया करा रहा है. इस मौके पर श्री सोरेन ने कहा कि हमें याद रखना चाहिए कि झारखंड वीरों की धरती रही है. अंग्रेजों से आदिवासियों ने संघर्ष किया. यह समाज कभी हार नहीं मानता है। मुख्यमंत्री ने कहा कि उन्हें यह बात कहने से कोई गुरेज नहीं है कि झारखंड देश का सबसे पिछड़ा राज्य है. आदिवासी, पिछड़े समाज की स्थिति बदहाल है. यह समूह आज से नहीं सदियों से शोषित और पीड़ित रहा है, लेकिन गौर करनेवाली बात है कि वहां के लोग भले पिछड़े हैं, पर धरती काफी समृद्ध है. पूरे देश को रोशनी झारखंड के कोयले से मिलती है. लौह अयस्क से लेकर अन्य खनिज संपदा का बड़ा भंडार राज्य में है. लेकिन दुर्भाग्य से इसका लाभ वहां के स्थानीय लोगों को नहीं मिल पाया है. कार्यक्रम के दौरान मुख्य सचिव सुखदेव सिंह, वंदना डाडेल मौजूद रहे।

आसिम मुनीर बने पाकिस्तान के नए आर्मी चीफ

इस्लामाबाद/एजेंसी।

पाकिस्तान में चल रही राजनीतिक उथल-पुथल के बीच प्रधानमंत्री शाहबाज शरीफ ने आसिम मुनीर को पाकिस्तान के नए सेना प्रमुख बनाने का एलान कर दिया है. खास बात ये है कि ये वही आसिम मुनीर हैं, जिन्हें पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान ने वर्ष 2019 में क़मर चीफ के पद से हटा दिया था. ऐसे में माना जा रहा है कि आने वाले दिनों में इमरान खान का सड़कों पर प्रदर्शन बढ़ सकता है। आसिम मुनीर फिलहाल पाकिस्तानी सेना के क्वार्टर मास्टर जनरल के पद पर तैनात थे। इससे पहले वे पाकिस्तानी सेना की गुजरांवाला स्थित 30वीं कोर के कमांडर थे, जो भारत के पंजाब से नजदीकी सीमाओं पर तैनात रहती है, लेकिन आसिम मुनीर उस वक्त सुर्खियों में छाए थे, जब जून 2019 में तत्कालीन प्रधानमंत्री इमरान खान ने उन्हें पाकिस्तान की खुफिया एजेंसी आईएसआई के डीजी पद से महज 8 महीने के भीतर ही बाहर का रास्ता दिखा दिया था।

बिजनेस

बीएसई सेंसेक्स
62,272.68+762.10 (1.24%)
निफ्टी
18,484.10+216.85 (1.19%)

एस पी महिला कॉलेज में मतदाता जागरूकता अभियान कार्यक्रम आयोजित

मतदान करना दायित्व एवं अधिकार भी है: उपायुक्त

झारखंड देखो/प्रतिनिधि।

दुमका :संथाल परगना महिला महाविद्यालय के सभागार में गुरुवार को ₹मतदाता जागरूकता अभियान₹ कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम में उपायुक्त ने कहा कि ₹मतदान करना दायित्व एवं अधिकार भी है उसे उदाहरण द्वारा स्पष्ट करते हुए छात्राओं को संबोधित किया। उन्होंने छात्राओं को अपने परिवार के सदस्यों तथा अन्य पड़ोसियों को मतदाता साक्षरता क्लब के दूत के रूप में मतदान हेतु जागरूक करने के लिए प्रेरित किया।प्रखंड विकास पदाधिकारी राजेश कुमार सिन्हा ने छात्राओं को संबोधित करते हुए मतदाता पहचान पत्र बनवाने के लिए प्रेरित एवं संबोधित किया।मतदाता साक्षरता क्लब की संरक्षिका महाविद्यालय की प्राचार्य डॉ. रीना नीलिमा लकड़ा ने अपने संबोधन में क्लब की जानकारी देते हुए बताया कि संथाल परगना महिला महाविद्यालय में मतदाता साक्षरता क्लब का गठन 17 नवंबर 2022 को किया जा चुका है। साथ ही क्लब की गतिविधियों तथा समस्त क्रियाकलापों के लिए महाविद्यालय में नोडल पदाधिकारियों, कैंपस दूत एवं कार्यकारिणी समिति का गठन हो चुका है एवं मतदाता पहचान पत्र पंजीयन कार्य आरंभ हो चुका है।

निर्वाचन विभाग के निलेश कुमार ने मतदाता पहचान पत्र बनाने तथा सुधार करने एवं अन्य तकनीकी समस्याओं से संबंधित महत्वपूर्ण जानकारी छात्राओं को प्रदान किया। महाविद्यालय की शिक्षिका डॉ. खुशबू तिग्गा ने छात्राओं से संबंधित मतदान पंजीयन की जानकारी हेतु अपने द्वारा बनाए गए गूगल फॉर्म की जानकारी दी। इस कार्यक्रम में महाविद्यालय के मतदाता साक्षरता क्लब के नोडल पदाधिकारी डॉ. नमृता गौरव, डॉ. महाश्वेता एवं कैंपस दूत रजीमशीला मुर्मू, स्टेला टुडू तथा सभी विभागों से चयनित कार्यकारिणी समिति के सदस्य चांदनी कुमारी, अर्चना कुमारी, आरती टुडू, सुष्मिता मरांडी, भानुप्रीति कुमारी, सुनीता टुडू, चांदनी कुमारी समेत महाविद्यालय के शिक्षक डॉ. ईश्वर मरांडी, डॉ. अविनाश शरण, प्रो. प्रीति किरण हांसदा एवं अन्य सभी शिक्षक मौजूद थे।

संक्षिप्त समाचार

नए समन्वयक का स्वयंसेवक ने किया स्वागत

दुमका/झारखंड देखो/प्रतिनिधि। गुरुवार को राष्ट्रीय सेवा योजना एनएसएस स्वयंसेवक राष्ट्रपति पुरस्कार प्राप्त जतिन कुमार ने सिदो कान्हू मुर्मू वि वि के नए समन्वयक डॉ धनंजय मिश्रा को पौधा एवं बिरसा मुंडा की तस्वीर देकर स्वागत किया. जतिन कुमार ने कहा कि एनएसएस समन्वयक डॉ धनंजय मिश्रा के आने से एनएसएस को रफ्तार और गति मिलेगी. इस अवसर पर एनएसएस स्वयंसेवक दीपक राय,सुनिता टुडू, अनिता हांसदा,संजय कुमार, मरियम किस्कु आदि मौजूद थे.

खेलो झारखंड के तहत रामगढ़ मे फुटबाल प्रतियोगिता का आयोजन

दुमका/झारखंड देखो/प्रतिनिधि। खेलो झारखंड प्रतियोगिता के तहत आज रामगढ़ में प्रखंड स्तरीय खेलकूद प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। जिसमें बालक और बालिकाओं के बीच अलग-अलग फुटबॉल प्रतियोगिता कराई गई। रामगढ़ में आयोजित प्रतियोगिता में प्लस टू उच्च विद्यालय हाट गम्हरिया एवं प्लस टू उच्च विद्यालय रामगढ़ के छात्र-छात्राओं के बीच काफी रोमांचक मुकाबले में रामगढ़ प्लस टू उच्च विद्यालय के बालक एवं बालिकाओं की टीम ने हाट गम्हरिया की दोनों ही टीमों को दो-दो गोल से पराजित कर प्रथम स्थान प्राप्त किया। रामगढ़ प्लस टू उच्च विद्यालय के प्रधानाध्यापक दयामय मंडल ने बताया कि खेल के प्रति बच्चों में काफी उत्साह है। लगातार रामगढ़ प्लस टू के छात्र छात्राओं के द्वारा अच्छा प्रदर्शन किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि रामगढ़ की टीम अपने बेहतर प्रदर्शन के बदौलत निश्चित रूप से जिला तथा राज्य स्तर पर भी खेलने का जज्बा रखती है। मौके पर काफी संख्या में स्कूली बच्चों के साथ-साथ खेल प्रेमी दर्शक भी मौजूद थे।

पंचायत में संचालित विभिन्न योजनाओं का निरीक्षण

झारखंड देखो/प्रतिनिधि।

दुमका। जामा प्रखंड अंतर्गत भैरवपुर पंचायत में संचालित विभिन्न योजनाओं का गुरुवार को प्रखंड विकास पदाधिकारी सिद्धार्थ शंकर यादव के नेतृत्व में प्रखंड टीम द्वारा निरीक्षण किया गया। निरीक्षण की शुरुआत पंचायत भवन भैरोपुर में मुखिया एवं पंचायत कर्मियों के साथ बैठक कर किया और योजनाओं के अभिलेख एवं पंजी का अद्यतन निरीक्षण किया गया इसके उपरांत योजनाओं की प्रगति जानने के लिए स्थल निरीक्षण करते हुए चतरा में चल रहे मनरेगा फुटबॉल मैदान का निरीक्षण कियागया एवं भैरोपुर गांव में सोनाधन बास्की के पोल्ट्री शेड, चतरा गांव स्थित मकू किस्कू का सूअर सेड के अलावे चतरा भैरोपुर एवं अन्य गांव में संचालित प्रधानमंत्री आवास योजना एवं मनरेगा योजना का निरीक्षण किया गया। मौके पर बीडीओ सिद्धार्थ शंकर यादव ने बताया कि योजनाओं में प्रगति लाने के लिए प्रखंड टीम द्वारा भैरवपुर पंचायत का निरीक्षण किया गया।और प्रधानमंत्री आवास एवं मनरेगा के योजनाओं को यथाशीघ्र पूर्ण करने का निर्देश दिए गए साथ ही मनरेगा की योजनाओं में अविलंब सूचना पट्ट का अधिष्ठापन करने का निर्देश दिया गया। इस अवसर पर बीपीओ पवन कुमार सिंह ,आशा रोज कनीय अभियंता विष्णु राज के अलावे एसबीएम समन्वयक विकास मिश्रा सहित पंचायत के मुखिया एवं पंचायत कर्मी मौजूद थे।

जन आक्रोश रैली को सफल बनाने के लिये कार्यकर्ताओं की बैठक हुई

दुमका/झारखंड देखो/प्रतिनिधि। जामा प्रखंड स्थित बेदिया पंचायत के अमलाचातर गांव में गुरुवार को चुटो बेदिया मंडल अध्यक्ष सिकन्दर यादव के अध्यक्षता में आगामी 25 नवम्बर को दुमका में आयोजित जन आक्रोश रैली को सफल बनाने के लिए मंडल स्तरीय कार्यकर्ताओं की बैठक आयोजित की गई।जिसमें मंडल प्रभारी,पंचायत प्रभारी एवं प्रखंड स्तरीय भाजपा नेताओं ने भाग लिया।

बैठक में मुख्य रूप से जन आक्रोश रैली सह धरना प्रदर्शन कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए गहन चर्चा की गई और अधिक से अधिक संख्या में कार्यकर्ताओं को भाग लेने की अपील की गई। इस मौके पर सिकन्दर यादव उर्फ मुन्ना यादव ने कहा कि राज्य सरकार हर मोर्चे पर विफल है। भ्रष्टाचापर पर अंकुश नहीं लगाया जा रहा है।लूट और हत्या के मामले बढ़ रहे है। इसलिए 25 नवम्बर को आयोजित जन आक्रोश रैली में हजारों लोगों का जुटान किया जाएगा। आम जनता को ब्याप्त भ्रष्टाचार से अवगत कराया जाएगा और भ्रष्टाचार के खिलाफ बिगुल फूंका जाएगा। मौके पर हराधन मरीक,देवेंद्र प्रसाद सिंह, इंद्र कांत यादव, राजेश खिरहर, संतोष पुजहर जियालाल मांझी दिनेश टुडू ,रमेश मुरमू ,सुरेश पंडित,विशु हांसदा,सिमेल हेम्ब्रम सहित अनेकों कार्यकर्ता मौजूद थे।

गैर जमानती वारंटी सहित पुराने लंबित मामले में फरार चल रहे सात आरोपी गिरफ्तार

झारखंड देखो/प्रतिनिधि।

दुमका। जामा थाना क्षेत्र के खटंगी गांव से पुराने मामले में लंबे समय से फरार चल रहे छह आरोपी को जामा पुलिस ने गिरफ्तार कर गुरुवार को जेल भेज दिया, वहीं गैर जमानती वारंटी एक आरोपी को बाबुकदेली गांव से गिरफ्तार कर जेल भेज दिया गया। गिरफ्तार आरोपी में मारपीट मामले में खटंगी गांव के रहने वाले जितेन्द्र मंडल, रतन मंडल धीरेन मंडल पांचु मंडल पौड़े मंडल लिलु मंडल शामिल है। वहीं गैर जमानती वारंटी बाबुकदेली गांव के हीरा लाल मंडल के रूप में हुई है। सभी को गुरुवार गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया गया है।मामले को लेकर जामा थाना प्रभारी जितेंद्र कुमार सिंह ने गुरुवार को बताया कि मारपीट के मामले में जामा थाना कांड संख्या 97/13 के सभी आरोपी हैं। जो कि लंबे समय से फरार चल रहा था। वहीं एक आरोपी बाबुकदेली गांव से गिरफ्तार किया गया जो कि गैर जमानती वारंटी था जिसे न्यायालय के आदेशानुसार गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया।

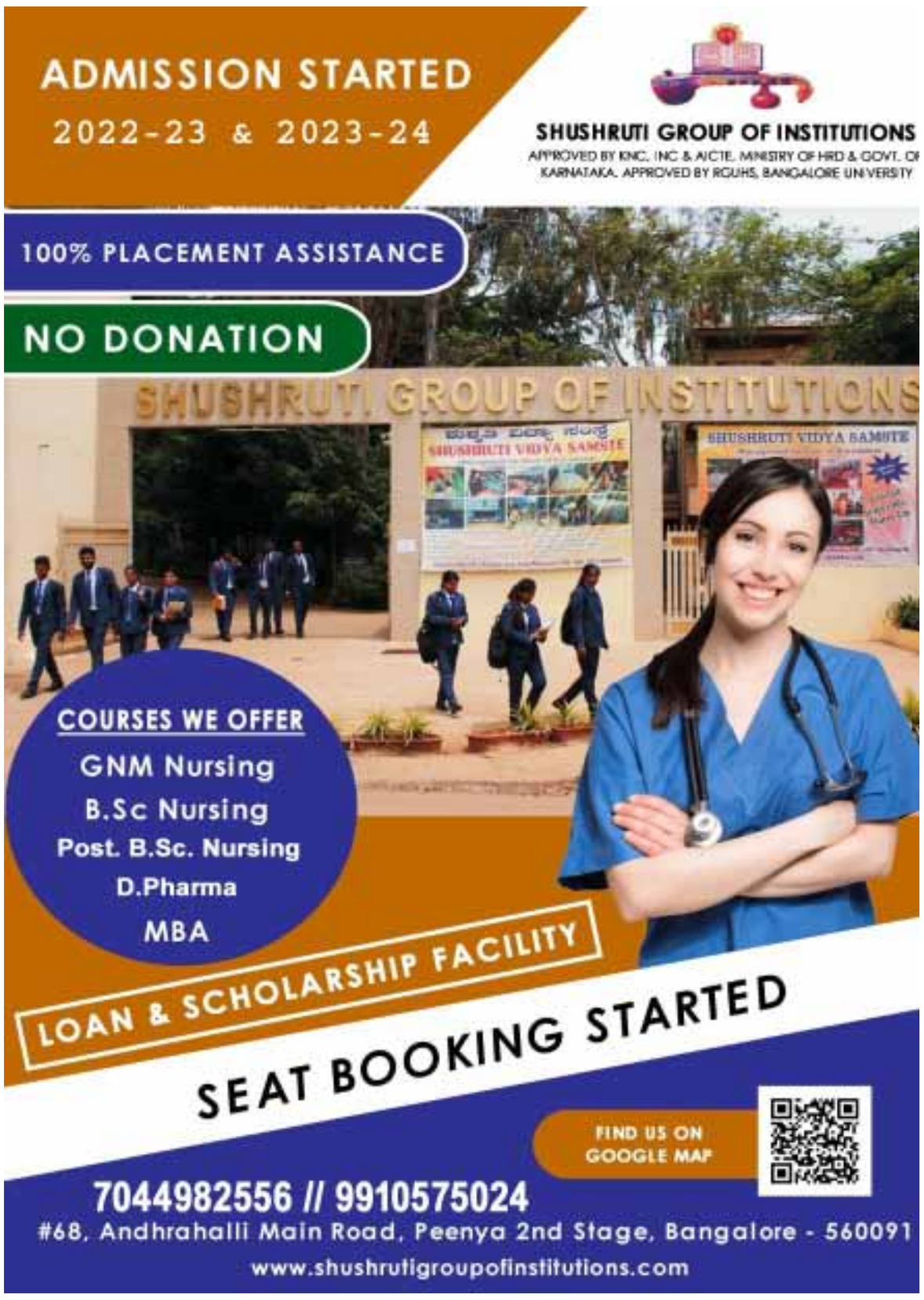

डीसी ने आंगनबाड़ी केंद्र एवं उत्क्रमित मध्य विद्यालय का किया औचक निरीक्षण

(झारखण्ड देखो,प्रतिनिधि)

पाकुड़: उपायुक्त वरुण रंजन गुरुवार को महेशपुर प्रखंड में विकास का हाल जानने निकले। उपायुक्त वरुण रंजन महेशपुर प्रखंड अंतर्गत शहरग्राम पंचायत पहुंचे और अमलागाछी मॉडल आंगनबाड़ी नर्सरी प्री स्कूल केंद्र शहरग्राम का औचक निरीक्षण किया. निरीक्षण क्रम में आंगनबाड़ी केंद्र में एक भी बच्चें उपस्थित नहीं पाया गया। बाल विकास परियोजना का यह हाल देखकर उपायुक्त ने नाराजगी व्यक्त की, तत्काल संबंधित सेविका एवं सहिया का वेतन रोकने का निर्देश दिया।

● सरकारी योजना में लापरवाही बर्दाश्त नहीं

उपायुक्त वरुण रंजन ने कहा कि कि सी भी स्थिति में सरकारी योजना में लापरवाही को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। उन्होंने कहा कि कोई भी पदाधिकारी या कर्मचारी अपने काम में लापरवाही बरततें पाये जायेंगे, उन पर कड़ी कार्रवाई की जाएगी। इसके अलावे उपायुक्त ने महेशपुर प्रखंड के उत्क्रमित मध्य विद्यालय कदमगाछी का औचक निरीक्षण किया। उपायुक्त ने बच्चों की उपस्थिति, शिक्षकों की उपस्थिति, विद्यालय भवन आदि का निरीक्षण किया। निरीक्षण के क्रम में गैरहाजिर बच्चों की भी उपस्थिति पंजी में दर्ज की गई थी। इस पर उपायुक्त ने नाराजगी जाहिर करते हुए मौके पर मौजूद शिक्षकों को फटकार लगाते हुए, शिक्षकों एवं प्रखंड शिक्षा प्रसार पदाधिकारी का अगले आदेश तक वेतन बंद करने का निर्देश बीडीओ को दिया। मौके पर विशेष कार्य पदाधिकारी विकास कुमार त्रिवेदी, जिला समाज कल्याण पदाधिकारी चित्रा यादव, प्रखंड विकास पदाधिकारी उमेश मंडल समेत अन्य उपस्थित थे।

ग्राम प्रधानों और कॉल कंपनी के अधिकारियों कोयले का खनन कार्य शुरू किया

पाकुड़: (झारखण्ड देखो,प्रतिनिधि)। जिले के अमड़ापाड़ा स्थित पचुवाड़ा नॉर्थ कोल विशनपुर के अंतर्गत गुरुवार को बीजीआर कॉल कंपनी ने दूसरे फेज का कोयला उत्खनन कार्य चिलगो गांव में ग्राम प्रधानों और कॉल कंपनी के अधिकारियों की उपस्थिति में कोयले का खनन कार्य शुरू किया। इसकी जानकारी बीजीआर कॉल कंपनी के पीआरओ संजय बेसरा ने बताया कि चिलगो गांव में ग्रामीणों, ग्राम प्रधानों और कंपनी के अधिकारीयों की उपस्थिति में ग्रामीणों के सहमति से कोयले का खनन कार्य शुरू किया है। संजय बेसरा ने बताया कि बीजीआर कॉल कंपनी ने दूसरे फेज का उत्खनन कार्य के लिए मशीन लगा दिया है. मौके पर बीजीआर के अधिकारी भी मौजूद थे।

संक्षिप्त समाचार

सप्ताहिक पंचायत दिवस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य संवेदनशीलता के साथ शिकायतों और समस्याओं का निराकरण: डीडीसी

पाकुड़: (झारखण्ड देखो,प्रतिनिधि)। जले के सभी प्रखंडों के विभिन्न पंचायतों में गुरुवार को सप्ताहिक पंचायत दिवस आयोजन किया गया। इसी कड़ी में महेशपुर प्रखंड अंतर्गत जयनगरा पंचायत भवन में सप्ताहिक पंचायत दिवस कार्यक्रम का उप विकास आयुक्त मो० शाहिद अख्तर ने किया निरीक्षण। उप विकास आयुक्त ने कहा कि सरकार की सोच है कि सभी सुयोग्य लाभुकों को सरलता पूर्वक योजनाओं का लाभ मिले। इसी सोच को लेकर जिला प्रशासन द्वारा जिला के सभी पंचायतों में गुरुवार को सप्ताहिक पंचायत दिवस कार्यक्रम आयोजित किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि अब सरकार द्वारा संचालित योजनाओं के लाभ के लिए आपको सरकारी कार्यालयों का चक्कर नहीं लगाना पड़ेगा, प्रशासन आपको योजनाओं का लाभ देने के लिए आपके पंचायत में आ पहुंचा है। इसका उद्देश्य सरकार की कल्याणकारी योजनाओं का लाभ हर पंचायत झ हर घर को मिल सकें। योजना का लाभ लेने के लिए आवेदन पत्र दिए व प्राप्त किए जा रहे हैं। डीडीसी ने प्राप्त आवेदनों का अविलंब निष्पादन करने को लेकर पदाधिकारियों को निर्देशित किया। उप विकास आयुक्त ने विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं की जानकारी मौके पर उपस्थित ग्रामीणों को दी। उन्होंने ग्रीन राशन कार्ड निर्माण, सोना सबरन धोती - साड़ी योजना, फुलो झानों आशिर्वाद योजना, मनरेगा, आवास, किसान क्रेडिट कार्ड, पीएम किसान निधि योजना, मुख्यमंत्री रोजगार सृजन कार्यक्रम आदि योजनाओं की विस्तार से जानकारी दी गई। योजनाओं की जानकारी देकर लाभ उठाने को लेकर प्रेरित किया गया। डीडीसी ने कहा की जिन लोगों के पास जॉब कार्ड नहीं है वह आज ही आवेदन दें आप लोगों को मनरेगा योजना से जोड़ा जाएगा और आपको रोजगार मुहैया कराई जाएगी। इस दौरान डीडीसी ने पौधारोपण कार्य, कूप निर्माण, डोभा निर्माण एवं अन्य योजनाओं का निरीक्षण किया। उन्होंने पंचायत भवन में बैठकर पंचायत के मुखिया, पंचायत समिति सदस्य एवं वार्ड सदस्यों के साथ बैठक किया।

कांग्रेस पार्टी के द्वारा भारत जोड़ो यात्रा

हिरणपुर(पाकुड़): (झारखण्ड देखो,प्रतिनिधि)। प्रखण्ड के मोहनपुर पंचायत में कांग्रेस पार्टी के द्वारा भारत जोड़ो यात्रा प्रखण्ड अध्यक्ष मो मनोबर आलम के अध्यक्षता में की गई. जिसमें मुख्यातिथि के रूप में पाकुड़ जिला कांग्रेस के अध्यक्ष सह लिट्टीपाड़ा बिधानसभा प्रभारी ऊदय लखमानी उपस्थित हुए। कार्यक्रम में मोहनपुर पंचायत घुमा गया साथ ही राहुल गांधी जिंदाबाद कांग्रेस पार्टी जिंदाबाद आलमगीर आलम जिंदाबाद के नारों से गुंजा वही विभिन्न दलों के 50 से अधिक समर्थकों ने कांग्रेस पार्टी का दामन थामा सभी को जिला अध्यक्ष ऊदय लखमानी ने माला पहनाकर पार्टी की सदस्यता ग्रहण करवाया। कार्यक्रम का संचालन कांग्रेस नेता राष्का हेम्ब्रम ने किया वही कार्यक्रम का अगवाई प्रखण्ड कांग्रेस के महासचिव मुस्ताक अंसरी ने किया भारत जोड़ो यात्रा के उपरांत मोहनपुर स्कूल मैदान में एक सभा किया गया। वही आज के कार्यक्रम में कांग्रेस के दामन थामा सहजुद्दीन मोमिन, म्हनफ मोमिन, जमालुद्दीन मोमिन, मेहदी, मुस्तफा अंसरी, इस्लाम अंसरी, जब्बार अंसरी, सत्तर अंसरी,ईश्वर सोरेन रामनाथपुरं, सुल्तान मोमिन,स्लीम मोमिन, हलीम मोमिन, समीरुद्दीन ताि-हर, कमल हसदा, जालम मोमिन, जकरली मोमिन ,मजीद मोमिन, नारायण हेम्ब्रम, सफजुद्दीन, रहीम मोमिन ,मो हुसैन, हलीम मोमिन ,अजीज मोमिन, गनी मोमिन ,तजमुल मोमिन, समद मोमिन, सुकुर मोमिन, जोगेंडर मरण्डी, समूल मोमिन, अमीर हुसेन, नूर इस्लाम, रौफ मोमिन ,अकबर मोमिन, बदरुद्दीन मोमिन ,गफ्फार मोमिन, अली हुसेन, अतमुद्दीन मोमिन शामिल हुए। कार्यक्रम में मुख्यरूप से कांग्रेस नेता मुफिज अंसरी, प्रखण्ड उपाध्यक्ष मो मुराद, प्रखण्ड महासचिव अमृत ठाकुर, प्रखण्ड महासचिव अख्तर अंसरी, जाहिद अंसरी उपस्थित थे।

पाकुड़ के हिरणपुर में पटुआ लदे ट्रक में लगी भीषण आग, लाखों का हुआ नुकसान

हिरणपुर(पाकुड़): (झारखण्ड देखो,प्रतिनिधि)। हिरणपुर थाना क्षेत्र के बरहरवा- हिरणपुर पथ के बीरग्राम निकट पटुआ लोड चलती ट्रक में अचानक भीषण आग लग गई. आग से बचने के लिए चालक ने सूझबूझ दिखाते हुए बीरग्राम स्थित चितरा तालाब में ट्रक को घुसा दिया. वहीं पास के खेत में पटवन कर रहे ग्रामीणों ने पंप के सहारे आग बुझाने की काफी कोशिश की. मिली जानकारी के अनुसार साहेबगंज जिले के राधानगर से ट्रक संख्या डब्लूबी 59 सी/7757 में पटुआ लोड कर कोलकाता जा रही थी. इसी दौरान अहले सुबह करीब 3 बजे दुलमीडांगा मोड़ के बाद चालक को ट्रक में आग लगने की भनक लगी. इसके बाद चालक ने आग बुझाने की कोशिश की पर सफलता नहीं मिली. आग की लपटें बहुत तेज होने से पटुआ धु-धुकर जलने लगा. ड्राइवर ने होशियारी दिखाते हुए ट्रक को तालाब में घुसा दिया. उक्त ट्रक साहिबगंज जिला के राधा नगर निवासी खोकन सरकार का बताया जाता है। जिसमें साहिबगंज जिला अंतर्गत राधानगर के ही गणेश चौधरी के द्वारा लगभग 10 लाख का पटुवा लोडकर कोलकाता के लिए जा रहा था, इसी क्रम में विद्युत तार के संपर्क में आने के कारण पटवा में आग लग गई, किसे तत्काल ग्रामीणों के द्वारा दो पंप चला कर बुझाने का प्रयास किया और कुछ देर के बाद अग्निशमन वाहन भी पहुंची परंतु आग पर काबू नहीं पाया गया अंततः ट्रक चालक की सूझबूझ के कारण धीरे-धीरे तालाब में जाकर गाड़ी को पलट दिया तब जाकर आग पर काबू पाया गया।

थैलीसीमिया से ग्रसित बच्ची के लिए लाइफ सेवियर्स समूह के सफीकुल शेख ने किया रक्तदान

पाकुड़: (झारखण्ड देखो,प्रतिनिधि)। सदर अस्पताल सोनाजोडी पाकुड़ में इलाजरत 2 वर्षीय बच्ची मुस्कान खातून जो थैलीसीमिया बीमारी से ग्रसित है। शरीर में अत्यंत खून की कमी के कारण इलाज में काफी दिक्कतें आ रही थी।इसीलिए मरीज को ओ नेगेटिव रक्त की अत्यंत आवशयकता पड़ी। और तुरंत ही मरीज के परिजनों ने इसकी जानकारी लाइफ सेवियर्स समूह (पाकुड़) को दी। रक्त समूह रेयर होने के कारण डोनर खोजने में काफ़ी मशक्कत करनी पड़ी। काफी खोजबीन करने के बाद समूह के अध्यक्ष नफीसुल आलम ने हरिनडांगा निवासी 26 वर्षीय सफीकुल आलम से संपर्क किया। और सफीकुल ने तुरंत ही रक्तदान करने के लिए तैयार हो गया। कुछ ही देर में उन्होंने रक्त अधिकोष पहुंचकर रक्तदान कर अपना मानवता का परिचय दिया। तभी जाके मरीज का इलाज संभव हो पाया। रक्तदाता सफीकुल ने कहा रक्तदान करके बहुत खुशी महसूस हो रही है। और मैं आगे भी रक्तदान करता रहूंगा। और मरीज के परिजनों ने समूह का आभार प्रकट किया। और उन्होंने ये भी कहा कि लाइफ सेवियर्स समूह(पाकुड़) समाज हित के लिए बेहतरीन कार्य कर रही है। मौके पर समूह के अध्यक्ष नाफिसुल आलम, मीडिया प्रभारी साहबाज आलम, उपाध्यक्ष जैनुल आबेदीन, सलाहकार बमभोला उपाध्याय, सक्रिय सदस्य परवेज आलम, नवाज शरीफ, मसीहुर रहमान और रक्त अधिकोष के कर्मचारी पियूष जी मौजूद रहे।

अपर समाहर्ता ने सभी सीओ के साथ की बैठक

(झारखण्ड देखो,प्रतिनिधि)

पाकुड़: समाहरणालय सभा कक्ष में बुधवार देर शाम को अपर समाहर्ता श्रीमती मंजू रानी ने सभी प्रखंडों के अंचलाधिकारी के साथ बैठक कर राजस्व की समीक्षा किया। बैठक के दौरान उन्होंने सभी अंचल अधिकारियों को 30 दिनों से अधिक तथा 90 दिनों अधिक वादों को शीघ्र निष्पादन करने का निदेश दिया। साथ ही अंचल अधिकारी को अंचल निरीक्षक एवं राजस्व उपनिरीक्षक के साथ नियमित रूप से समीक्षात्मक बैठक करने का निर्देश दिया गया। उपस्थित पदाधिकारी से हिरणपुर मवेशी हाट का राजस्व वसूली की समीक्षा की गई वसूली नगण्य रहने के कारण रोष प्रकट करते हुए अगले माह से निर्धारित लक्ष्य के अनुरूप वसूली करने का निर्देश दिया गया। अपर समाहर्ता द्वा-रा निर्देश दिया गया कि दाखिल खारिज के लंबित मामले को बिना किसी कारण रद्द नहीं किया जाए, तथा रद्द की गई मामले की विवरणी संचिका वध करने का निर्देश दिया गया। अपर समाहर्ता द्वारा बताया गया कि मुख्य सचिव के निर्देशानुसार फसल राहत योजना के स्थान पर सुखाड़ का कार्य इस जिला में संचालित किया जाना है जीएम लैंड की वर्तमान वस्तु स्थिति की समीक्षा की गई। समीक्षा के क्रम में पाया गया कि किसी भी अंचल द्वारा जीएम लैंड कार्य में कोई रुचि नहीं ली जा रही है। जिस कारण सर्वे कार्य प्रभावित हो रहा है। इस संदर्भ में सभी अंचल अधिकारी को निर्देश दिया गया कि युद्ध स्तर पर कार्य योजना बनाते हुए जीएम लैंड सर्वे का कार्य निर्धारित समय पर निष्पादित किया जाय। सीपी ग्राम अंतर्गत लंबित मामले सभी संबंधित पदाधिकारी को निर्देश दिया गया कि सीङ्गपीङ्गग्राम में लंबित मामले को यथाशीघ्र निष्पादित किया जाय। परिशोधन पोर्टल के लंबित मामले की समीक्षा के क्रम में पाया गया कि लंबित मामले में कभी किसी भी अंचल अधिकारी द्वारा कोई भी रुचि नहीं ली जा रही है। इस संदर्भ में अपर समाहर्ता द्वारा निर्देश दिया गया की लंबित सभी मामले को एक सप्ताह के अंदर शत प्रतिशत निष्पादित किया जाय।

● कोल कंपनी से संबंधित मामले

बैठक में उपस्थित संबंधित अंचल अधिकारी को निर्देश दिया गया कि उनके अंदर जितने भी लंबित मामले हैं उसे शत प्रतिशत निष्पादित किया जाय। सभी अधिकारी को निर्देश दिया गया कि विभिन्न विभागों से प्राप्त आधीयाचना के आलोक में भूमि चिन्हित कर प्रतिवेदन उपलब्ध कराना सुनिश्चित करेंगे। मौके पर सभी बीडीओ/सीओ, सभी संबंधित पदाधिकारी एवं कर्मी उपस्थित थे।

अपर समाहर्ता पदाधिकारी ने पशु सखियों के बीच की ड्रेस कूलिंग बॉक्स कीट का वितरण

हिरणपुर(पाकुड़): (झारखण्ड देखो,प्रतिनिधि)। प्रखंड क्षेत्र के घागरजानी पंचायत अंतर्गत घागरजानी गांव में स्थित उन्नति आजीविका संसाधन केंद्र घागरजानी हिरणपुर में गुरुवार को अपर समाहर्ता पदाधिकारी मंजू रानी स्वांशी के द्वारा दौरा गया। साथ में प्रखंड प्रमुख रानी सोरेन भी मौजूद रहे। झारखंड स्टेट लाइवलीहुड प्रोमोशन सोसाइटी द्वारा संचालित आजीविका पशुसखी दीदीयो का मासिक बैठक में अपर समाहर्ता पदाधिकारी मंजू रानी स्वांसी ने दीदीयो के बीच कूलिंग बॉक्स कीट, ड्रेस, बैग का वितरण किये। साथ ही दीदियों से पशुपालन गतिविधियों से अवगत हुए। वहीं हार्डिंग सेंटर, चास हाट योजना अन्तर्गत नर्सरी पौधा, लेमन ग्रास, गतिविधियों के बारे में जानकारी प्राप्त किए, अपर समाहर्ता पदाधिकारी मंजू रानी स्वांशी ने आजीविका पशु सखी दीदीयो का हौंसला बड़ाते हुए कहा की महिलाएं ही अर्थव्यवस्था की रीढ़ है। पालतू पशुओं ही महिलाए की आर्थिक लड़ाई की शाथी है। इन्होंने ये भी कहा की पशुसखी दीदीया अपने क्षेत्र में काम कर समय पर पशुओ को टीकाकरण करके गांव को रोग मुक्त करने को लेकर काम करे, कार्यक्रम में बीपीओ मनरेगा, पिंकल चौधरी, बीपीआरओ, बीपीएम उज्जवल रविदास, एफटीसी शंकर तिवारी जीआरसी कोऑर्डिनेटर संजय पाल, बीआरपी ममता देवी, इंद्रदेव ठाकुर, साथ में समस्त आजीविका पश-ुसखी दीदीया उपस्थित रहे।

डरा धमका कर युवती के साथ किया दुष्कर्म, मामला दर्ज

पाकुड़: (झारखण्ड देखो,प्रतिनिधि)। लिट्टीपाड़ा थाना क्षेत्र के एक गांव से काम दिलाने के बहाने ले जकर जबरन बलात्कार करने का मामला प्रकाश में आया है. पीड़िता ने थाना में आवेदन देकर दो व्यक्ति के विरुद्ध मामला दर्ज कराई है. पीड़िता ने थाने में दिए आवेदन में बताई की साहेबगंज जिला के तीनपहाड़ थाना क्षेत्र के तीनपहाड़ गांव के सददाम अंसारी एवं लिट्टीपाड़ा थाना क्षेत्र के सुराजबेड़ा गांव के बैदा पहड़िया ने आज से लगभग एक माह पूर्व काम दिलाने के लिए गांव के चार लड़की, एक लड़का एवं अन्य दो व्यक्ति को बहला फुसला कर दिल्ली ले जाने के लिए गांव में बोलेरो से पाकुड़ स्टेशन ले गया. पाकुड़ से ट्रेन के द्वारा दिल्ली पहुंचा. दिल्ली में सुकुरपुर नमक जगह में सभी लोगो को रखा गया. बाद में सभी को अलग अलग जगह पर काम पर रख दिया. कुछ दिन बाद सददाम अंसारी रात में दारू के नशे में रूम आया और मेरे साथ जबरजस्ती करने की कोशिश करने लगा. विरोध करने पर कहने लगा तुमसे शादी करेंगे. नही मानने पर जान से मारने की धमकी देने लगा. मैं डर से उसके बात मानने लगी. इसी तरह कई दिनों तक चलता रहा. एक दिन समय देख कर मैं किसी तरह वहां से भाग कर रांची पहुंची. और स्टेशन पहुचने पर रेलवे पुलिस के समक्ष अपने आप बीती बताई. बाद में पुलिस के मदत से घर पहुची. थाना प्रभारी संतोष कुमार ने बताया पीड़ित के लिखित शिकायत पर अहतू थाना में कांड संख्या 01/22 के तहत दो नामदर्ज के विरुद्ध मामला दर्ज कर दोनों आरोपी को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया गया।

रोजगार दिवस कार्यक्रम का आयोजन

(झारखण्ड देखो,प्रतिनिधि)

पाकुड़: झारखंड सरकार के निर्देशानुसार गुरुवार को पाकुड़िया प्रखंड के सभी पंचायतों में रोजगार दिवस कार्यक्रम का आयोजन मुखिया की देखरेख में आयोजित किया गया। इस दौरान पाकुड़िया सहित मोंगलाबाँध, बनियापसार, बसंतपुर, डोमनगडिया, बननोग्राम, लागडुम, गनपुरा सहित अन्य पंचायतों में ग्रामीणों की मौजूदगी में रोजगार दिवस का आयोजन हुआ। इस अवसर पर प्रखंड विकास पदाधिकारी मनोज कुमार एवं अंचलाधिकारी किरण डांग ने कई पंचायत कार्यालयों में पहुँच कर लोगो की समस्याओं को सुना। इस अवसर पर मनरेगा का नया जॉबकार्ड का पंजीकरण, रोजगार का आवंटन,समाजिक सुरक्षा पेंशन योजना, आवास निर्माण योजना सहित अन्य से संबंधित समस्याओं को सुना। साथ ही प्रखंड विकास पदाधिकारी कुमार ने पंचायत सचिव को इन सभी समस्याओं का समाधान करने का कड़ा निर्देश दिया। इस अवसर पर पंचायत भवन में ग्रामीण उपस्थित थे।

अमड़ापाड़ा कन्या मध्य विद्यालय अभिभावक शिक्षक (पीटीएम) की बैठक, व्यावसायिक शिक्षा सहित अन्य पर चर्चा

(झारखण्ड देखो,प्रतिनिधि)

पाकुड़:जिले के अमड़ापाड़ा कन्या मध्य विद्यालय के प्रांगण में अभिभावक शिक्षक (पीटीएम) की बैठक विद्यालय प्रबन्धन समिति के अध्यक्ष संजय गुप्ता के अध्यक्षता बैठक में किया। बैठक में निम्न बिन्दुओं पर चर्चा की गई।

विद्यालय में बच्चों की शत प्रतिशत नामांकन और उपस्थिति

विद्यालय की शिक्षिकाओं एवं शिक्षकों के द्वारा अभिभावकों को विद्यालय में 100% नामांकन एवं उपस्थिति के बारे में बताया गया. सभी अभिभावकगण अपने- अपने बच्चों को प्रतिदिन विद्यालय भेजना सुनिश्चित करेंगे।

● मासिक जाँच परीक्षा पर चर्चा चर्चा

इस बैठक में सभी अभिभावकों को जानकारी दी गई कि बच्चों का हर माह जाँच परीक्षा, आयोजित की जाती है। अतः इसके लिए वे बच्चों को प्रोत्साहित करें तथा उन्हें घर में लिए प्रोत्साहित करें।

● पाठ्यक्रम को पूर्ण करने की स्थिति पर चर्चा

पाठ्यक्रम को पूर्ण करने की स्थिति पर भी चर्चा की गई। मासिक जांच परीक्षा सिलसिले में ही यह बताया गया कि यदि बच्चों की शत - प्रतिशत उपस्थिति न रही तो ऐसी स्थिति में पाठ्यक्रम को पूरा करने में शिक्षकों को दिक्कतें आती है क्योंकि इसके लिए शत-प्रतिशत उपस्थिति अतिआवशयक हैं।

● छात्रों के अधिगम स्तर की जानकारी

सभी अभिभावकगणों को शिक्षक शिक्षिकाओं के उनके बच्चों के अधिगम स्तर तथा मूल्यांकन जानकारी दी गई। सिर्फ शैक्षणिक ही नही, परन्तु उसका आंतरिक मूल्यांकन भी किया जाता है। उसके लिए बच्चों का अनुशासन, पढ़ाई, व्यवहार आदि पर भी उन्हें ग्रेड दिया जाता है।

● सह-शैक्षणिक गतिविधियों पर चर्चा

सह शैक्षणिक गतिविधियों के बारे में भ जानकारी दी गई। इसमें पाठ्य पुस्तक अर्थात सिर्फ पाठ्यक्रम न होकर यह थोड़ी जी बाहर होती है। इसमें जीवन में प्रोत्साहन और कुछ नया सीखने के लिए किए जाने वाले काम एक्सट्रा करिक्युलर एक्टिविटीज आते हैं. जैसेः- प्रतियोगिता, निबंध-लेखन, पेंटिंग, इनडोर गेम्स, आउटडोर गेम आदि में बच्चों को पूर्ण रूप से प्रोत्साहित करना एवं सहयोग देना है.

● खेली झारखण्ड पर चर्चाः

एक नया अभियान खेलो झारखंड अभियान के माध्यम से स्कूली स्तर पर नवोदित प्रतिभाओं की पहचान हो रही है। इसके तहत सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने वाले छात्रों की अपने खेल और कौशल को सुधारने का अवसर भी प्रदान किया जाएगा। इससे उनके कौशल को भी बढ़ाना मिलेगा, इन बातों की जानकारी दी गई।

माध्यमिक एवं उच्चतर माध्यमिक विद्यालयों में व्यावसायिक शिक्षा पाठ्यक्रम की जानकारी पर चर्चाः

व्यावसायिक शिक्षा को अंग्रेजी मेंर वोकेशनल एजुकेशन कहते है। शिक्षा की व्यावसाय के साथ जोड़ना ही व्यावसायिक शिक्षा कहलाती है। वर्तमान में उसी शिक्षा को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा का स्थान दिया जाता है, जो छात्रों को जीविकोपार्जन के योग्य बनाए। कहा जाता है कि मनुष्य रोटी के बिना नही रह सकती. रोटी कपड़ा और मकान अनिवार्य है. इसके लिए मनुष्य को कार्य करण ही पड़ता है। किन्तु बिना समुचित प्रशिक्षण के यह कार्य कठिन है।

● डिजिटल क्लास आरंभ होने पर चर्चा

अभिभावकों को यह भी जानकारी दी गई कि शीघ्र ही हमारे विद्यालय में शीघ्र ही डिजिटल क्लास आरंभ होने वाले है। उसके लिए क्लास रूम तैयार करने में और कुछ समय बाकी रह गया है। शीघ्र ही डिजिटल क्लास आरंभ हो जाएगा. बच्चे बहुत ही उत्सुकता पूर्वक ज्ञान प्राप्त कर पाएंगे। इस बैठक में विद्यालय के प्रभारी प्रधान शिक्षिका मेवल मरांडी, कंचन मधुर इक्का, निक्की कुमारी, मायालाता किस्कू, शिक्षक रफीक अंसारी मालिक मुर्मू सहित अभिभावक मौजूद थे.

निकाय चुनाव कराना राज्य सरकार का स्वतंत्र अधिकार हैं ,इसे केन्द्र सरकार भेजना सिर्फ निकाय चुनाव को टालने की साज़िशः राधेश्याम वर्मा

झारखंड देखो/प्रतिनिधि।

दुमका। सदान एकता परिषद के केन्द्रीय अध्यक्ष राधेश्याम वर्मा ने प्रेस विज्ञप्ति जारी कर कहा की अनुसूचित क्षेत्रों में नगर निकाय चुनाव में एकल पद आरक्षित रखने के प्रस्ताव का सदान एकता परिषद निंदा करता है, ज्ञात हो कि झारखंड में विगत 15 वर्षों से नगर निकाय चुनाव में एकल पद को संवैधानिक प्रक्रिया के तहत आरक्षित किया जाता रहा है जैसे- महिला,सामान्य,अनुसूचित जनजाति,अनुसूचित जाति, पिछड़ा वर्ग,अत्यंत पिछड़ा वर्ग। परंतु वर्तमान में नगर निकाय चुनाव को लेकर जिस प्रकार जनजातीय परामर्श दात्री परिषद (टीएससी) की बैठक में नगर निकाय चुनाव में एकल पद को जनजातियों के लिए आरक्षित करने का षड्यंत्र किया जा रहा है वह असंवैधानिक है।ज्ञात हो कि पेसा कानून के तहत जिस प्रकार पूर्ववर्ती सरकार ने गलत तरीके से प्रखंड को अनुसूचित क्षेत्र घोषित कर पंचायत में पिछड़ी जातियों, अनुसूचित जातियों एवं सामान्य वर्गों को एकल पद पर चुनाव लड़ने से वंचित कर दिया,जैसे- मुखिया,प्रमुख,जिला परिषद अध्यक्ष का पद किसी एक वर्ग के लिए आरक्षित कर दिया गया, वर्तमान में भी राज्य सरकार यही षड्यंत्र चलाकर नगर निकाय के सभी एकल पर महापौर एवं अध्यक्ष पद को भी जनजाति के लिए आरक्षित कर देना चाहती है इस क्षेत्र का समुचित विकास हो इसका लाभ सभी वर्गों को मिले इसलिए झारखंड राज्य का निर्माण 15 नवंबर 2000 को हुआ परंतु राज्य निर्माण के साथ ही यहां के राजनेताओं ने कई विवादास्पद कानून लाकर झारखंड के समग्र विकास को बाधित करने का काम किया।निकाय चुनाव कराना राज्य सरकार का स्वतंत्र अधिकार हैं इसे केन्द्र सरकार भेजना सिर्फ निकाय चुनाव को टालने की साज़िश है।जब महामहिम राज्यपाल झारखंड सरकार की सहमति आ गई तो राज्य सरकार को समय पर चुनाव करना चाहिए था। झारखंड में 26% जनजाति भाइयों की आबादी है शेष 74% सदान(गैर जनजातीय)की आबादी हैं।जितना जनजाति भाइयों का अधिकार इस राज्य पर हैं उतना ही गैरजनजातियों का भी हैं।सदान एकता परिषद राज्य सरकार से मांग करता हैं कि नगर निकाय चुनाव में एकल पद को संवैधानिक स्तर पर आरक्षित करें, संविधान सम्मत बातें हों।साथ ही सदान एकता परिषद यह भी मांग करता है कि 74% आबादी को देखते हुए सदान परामर्शदात्री परिषद का भी गठन करें ताकि राज्यहित में बहुसंख्यक समाज से भी परामर्श लिया जा सकें।

छात्र छात्राओं को दी गई मतदाता सूची में नाम जोड़ने, सुधारने एवं हटाने के लिए जानकारी

दुमका/झारखंड देखो/प्रतिनिधि। प्रखंड के कस्तूरबा गांधी आवासीय बालिका उच्च विद्यालय शिकारीपाड़ा में गुरुवार को एसएसआर 2023 कार्यक्रम के तहत विशेष कैंप का आयोजन किया गया।जिसमें अपर समाहर्ता विनय मनीष लकड़ा, प्रखंड विकास पदाधिकारी संतोष कुमार चौधरी एवं प्रखंड शिक्षा प्रसार पदाधिकारी अमिताभ झा एवं कंप्यूटर ऑपरेटर चंदन साहा ने छात्राओं को मतदाता सूची में नाम जोड़ने सुधारने एवं हटाने के लिए प्रपत्र 6, 7 एवं 8 का विस्तृत रूप से जानकारी दी एवं छात्राओं के बीच प्रपत्र का वितरण किया।मौके पर 12 छात्राओं ने प्रपत्र भरकर नाम जोड़ने के लिए समर्पित किया। वही मॉडल उच्च विद्यालय शिकारीपाड़ा में भी यह कार्यक्रम चलाया गया एवं छात्र छात्राओं के बीच प्रपत्र का वितरण किया गया यहां 6 छात्रों द्वारा प्रपत्र भरकर दिया गया।

संक्षिप्त समाचार

एम जी कॉलेज में आई क्यू ए सी की बैठक हुई

दुमका/झारखंड देखो/प्रतिनिधि। मयूराक्षी ग्रामीण महाविद्यालय रानीश्वर मे प्राचार्य डॉ अब्दुल रईस की अध्यक्षता मे आई क्यू ए सी के को- ऑर्डिनेटर प्रो उदय प्रसाद सिंह ने नैक के ग्रेडिंग के उपरांत पहली बैठक की । मीटिंग के द्वारान ए क्यू ए आर वर्ष 2021-22 अपलोड करने हेतु क्राइटेरिया कमिटी का पुनर्गठन किया गया। साथ ही उसकी 7 कमिटी बनाई गयी । जिसमें सभी कमिटी के को- ऑर्डिनेटर, प्रो आबिद राजा, डॉ संतोष कुमार पत्रलेख, डॉ रीना कुमारी, डॉ अवर्णा रॉय, डॉ स्वर्ण कुमार सिंह, प्रो गजेंद्र कुमार सिंह,डॉ रूपम कुमारी को बनाया गया ।इस अवसर पर सभी शिक्षक शिक्षकेतर कर्मचारी शामिल थे।

छात्रों को मौलिक अधिकार एवं निर्वाचन के महत्व के बारे में दी गई जानकारी

- दुधानी स्कूल में मतदाता साक्षरता क्लब एवं मतदाता जागरूकता फोरम का गठन

बासुकीनाथ/झारखंड देखो/प्रतिनिधि। जरमुंडी प्रखंड के उत्क्रमित उच्च विद्यालय दुधानी में बुधवार को प्रखंड विकास पदाधिकारी फुलेश्वर मुर्मू की अध्यक्षता में मतदाता जागरूकता अभियान चलाया गया। इस मौके पर बीडीओ फुलेश्वर मुर्मू की उपस्थिति में विद्यालय में मतदाता साक्षरता क्लब एवं मतदाता जागरूकता फॉर्म का गठन किया गया। श्री मुर्मू ने कहा कि निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार जरमुंडी प्रखंड के सभी सरकारी, गैर सरकारी विद्यालय एवं तकनीकी संस्थानों में नौवीं कक्षा से 12वीं कक्षा तक के युवाओं को जोड़ते हुए मतदाता साक्षरता क्लब एवं मतदाता जागरूकता फोरम का गठन किया जाना है। जिसके आलोक में बुधवार को बीडीओ फुलेश्वर मुर्मू की अध्यक्षता में उत्क्रमित उच्च विद्यालय दुधानी, जरमुंडी में ईएलसी का गठन किया गया। श्री मुर्मू द्वारा सभी छात्र छात्राओं को उनके मौलिक अधिकार, कर्तव्य एवं निर्वाचन के महत्व को विस्तारपूर्वक बताया गया। ईएलसी गठन के उपरांत शिक्षक संतोष कुमार दत्ता को मतदाता साक्षरता क्लब का नोडल पदाधिकारी नियुक्त किया गया। इसमें नौवीं और दसवीं कक्षा तक के छात्रों को क्लब का सदस्य बनाया गया। प्रशिक्षक के रूप में पवन कुमार, अनिल कुमार, विद्यालय के प्रधानाध्यापक रामाशंकर ब्रह्म, अमित कुमार मौजूद थे। इसमें प्रशिक्षक के द्वारा भविष्य के मतदाताओं को चुनाव की बारीकियों से अवगत कराते हुए प्रपत्र छह, सात एवं आठ के बारे में विस्तारपूर्वक जानकारी दी गई। इस दौरान ऑनलाइन एप्प जैसे एनवीएसपी, वीएचए एवं गरुड़ एप्प के बारे में भी सभी छात्र-छात्राओं को तकनीकी रूप से प्रशिक्षण दिया गया। इस मौके पर विद्यालय के शिक्षकगण एवं छात्र-छात्राएं मौजूद थे।

बासुकीनाथ से पूजा करके वापस लौट रहे श्रद्धालुओं से भरी स्कॉर्पियो दुर्घटनाग्रस्त, कुल पांच यात्री घायल

बासुकीनाथ/झारखंड देखो/प्रतिनिधि। जरमुंडी थाना क्षेत्र अंतर्गत बासुकीनाथ-नोनीहाट मुख्य मार्ग पर श्रद्धालुओं से भरी स्कार्पियो दुर्घटनाग्रस्त हो गई। इस दुर्घटना में स्कॉर्पियो सवार तीन यात्रियों को चोट आई, जबकि दो अन्य यात्री मामूली रूप से घायल हुए। घटना के बारे में बिहार के पूर्णिया जिला निवासी यशवंत सिंह ने बताया कि वे अपने स्कॉर्पियो से सपरिवार बासुकीनाथ पूजा करने आए थे। बासुकीनाथ से पूजा करके घर वापसी के क्रम में बासुकीनाथ-नोनीहाट मुख्य मार्ग पर घोरटोपी मोड़ के समीप वाहन अनियंत्रित होने की वजह से सड़क किनारे पेड़ से टकरा गई। जिससे वाहन में सवार नेहा सिंह, सौरव सिंह, मयंक कुमार नामक तीन श्रद्धालु घायल हो गए, जबकि प्रिंस कुमार व आशा कुमारी मामूली रूप से जख्मी हुए। मामले की जानकारी मिलने पर जरमुंडी थाना पुलिस घटनास्थल पर पहुंची एवं मामले की जांच में जुट गई है।

पुलिस की सराहनीय कारवाई से अपने घर पहुंची 25 वर्षीय मरियम टुडू

झारखंड देखो/प्रतिनिधि।

दुमका। चक्रधरपुर की महिला पुलिस के सक्रियता एवं शिकारीपाड़ा पुलिस निरीक्षक सह थाना प्रभारी संजय सुमन की तत्परता से भटकी हुई महिला बुधवार की शाम शिकारीपाड़ा थाना पहुंची। बताते चलें कि शिकारीपाड़ा थाना क्षेत्र के सराय पानी गांव निवासी 25 वर्षीय मरियम टुडू काठीकुंड थाना क्षेत्र के आमा जोड़ा गांव निवासी सुनी हसदा के साथ अगस्त 2022 में तमिलनाडु काम करने के लिए गई थी वहां उससे सिलाई का कार्य कराया जाता था। जिसके एवज में रू 8000 महीना के साथ-साथ खाना दिया जाता था, लेकिन वह अपने परिजनों से घर मिलने जाने के लिए छुट्टी चाह रही थी। जिसके यहां वह कार्य करती थी वह छुट्टी नहीं दे रहा था। इस वजह से मरियम वहां से किसी प्रकार भाग कर निकली और घर लौटने के क्रम में वह रास्ता भटकते हुए चक्रधरपुर में उतर गईं वहां एक महिला पुलिस ने उसकी स्थिति को देखते हुए अपने साथ थाना ले गई और उसका आवासीय पता पूछते हुए इसकी सूचना शिकारीपाड़ा थाना को 2 दिन पूर्व दी।सूचना पाते ही शिकारीपाड़ा पुलिस निरीक्षक सह थाना प्रभारी संजय सुमन ने एक पुलिस पदाधिकारी एवं महिला पुलिस के साथ मरियम के भाई आर्नेस टुडू को चक्रधरपुर थाना भेजा।वहां से मरियम को शिकारीपाड़ा थाना लाया गया एवं गुरुवार की सुबह उसे उसके परिजनों के हवाले कर दिया गया। अगर पुलिस सक्रियता एवं तत्परता नहीं दिखाती तो मरियम के साथ कुछ भी हो सकता था। शिकारीपाड़ा पुलिस की संवेदनशीलता से एक गरीब असहाय महिला सुरक्षित अपने घर पहुंच गयी।पुलिस निरीक्षक की इस सराहनीय पहल का चहुंओर तहे दिल से स्वागत किया जा रहा है।

मासूम के अत्यंत गरीब पिता सुनीराम ने मुख्यमंत्री,जिला प्रशासन व प्रखंड प्रशासन से लगाई इलाज की गुहार

झारखंड देखो/प्रतिनिधि।

दुमका। प्रखंड के भोकतानडीह गांव के अत्यंत गरीब सुनीराम हेम्ब्रम का 2 वर्षीय पुत्र सोना बाबू उर्फ मोसे हेंब्रम कैंसर से पीड़ित हैं।इलाज के अभाव में वह जीवन और मृत्यु से संघर्ष कर रहा है।बताते चलें कि परिवार बीपीएल धारी है इसकी आर्थिक स्थिति काफी दयनीय हैवह मासूम सोना बाबू का इलाज कराने में असमर्थ है। बीते माह उसे इलाज के लिए रिम्स रांची एवं टीएमसीएच जमशेदपुर ले जाया गया था लेकिन उसका इलाज वहां नहीं हुआ। वर्तमान समय में दो वर्षीय मासूम सोना बाबू कैंसर से पीड़ित जिंदगी एवं मौत से जूझ रहा है जिसका इलाज कराना अत्यंत आवश्यक है। ग्रामीणों ने हेमंत सरकार,जिला प्रशासन एवं प्रखंड प्रशासन से अभिलंब सोना बाबू के बेहतर इलाज का प्रबंध करने की मांग की हैं।गुरुवार को समाजसेवी हाबिल मुर्मू, नोरेन मुर्मू, मुन्ना मुर्मू एवं मानवेल हेंब्रम के नेतृत्व में बड़ी संख्या में ग्रामीण महिला पुरुषों ने भोकतानडीह से पैदल चलकर स्लोगन लिखकर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र शिकारीपाड़ा के प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी तथा प्रखंड कार्यालय में प्रखंड विकास पदाधिकारी संतोष कुमार चौधरी को मुख्यमंत्री के नाम संबोधित मांग पत्र समर्पित किया है।

प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी के सरकारी वाहन की चपेट में आने से मोटरसाइकिल सवार व्यक्ति गंभीर रूप से घायल

झारखंड देखो/प्रतिनिधि।

दुमका। जामा थाना क्षेत्र के दुमका देवघर मुख्य मार्ग पर गुरुवार को भारतीय स्टेट बैंक जामा के समीप प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी डॉ रमेश कुमार जरमुंडी के सरकारी वाहन की चपेट में आने से लुना मोटरसाइकिल सवार एक व्यक्ति गंभीर रूप से घायल हो गया। घायल व्यक्ति को तत्काल उसी वाहन पर चालक द्वारा इलाज के लिए फुलो झानो मेडिकल कॉलेज दुमका पहुँचा दिया गया है।घायल व्यक्ति की पहचान नहीं हुई है।जानकरी के अनुसार चालक जरमुंडी अस्पताल के एक डॉक्टर को लाने दुमका जा रहा था और लूना बाइक सवार जामा से जरमुंडी की और जा रहा था तभी जामा एसबीआई के सामने अचानक बाइक सवार चपेट में आ गया। घटना के बाद जामा थाना पुलिस मौके पर पहुंच बाइक को जब्त कर लिया गया है। थाना प्रभारी ने बताया कि घायल की पहचान नहीं किया जा सका है।घटना की सूचना मिलते ही जामा थाना की पुलिस घटनास्थल पर पहुंची। मामले को लेकर जामा थाना प्रभारी जितेंद्र कुमार सिंह ने बताया कि प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी जरमुंडी के वाहन से एक लूना मोटरसाइकिल सवार गंभीर रूप से घायल हो गया। जिसे प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी के वाहन से ही इलाज के लिए दुमका ले जाया गया है। वहीं मोटरसाइकिल सवार की पहचान नहीं हो पाई है।

मोबाइल पर गेम खेलने के दौरान प्रेम जाल में फंसी युवती प्रेमी के साथ फरार

झारखंड देखो/प्रतिनिधि।

दुमका। शिकारीपाड़ा थाना क्षेत्र की एक युवती के मोबाइल पर गेम खेलने के दौरान बिहार के युवक के साथ हुई दोस्ती और फिर प्रेम जाल में फंस कर प्रेमी के साथ फरार होने का मामला सामने आया है। मामले में युवती के पिता ने शिकारीपाड़ा थाना में लिखित आवेदन देकर बताया है कि 16 नवंबर 2022 सुबह 3:00 बजे जब मैं अपने बेटी के कमरे में गया तो मेरी बेटी अपने कमरे पर नहीं थी।इस बारें मे आसपास पता किया तो कुछ पता नहीं चला।इस बारें में जब अपने रिश्तेदार एवं कुछ दोस्तों से पूछताछ की तो पता चला कि रितेश कुमार नाम का लड़का मेरी बेटी को बहला-फुसलाकर अपने साथ ले गया है।रितेश कुमार हाजीपुर बिहार का रहने वाला है।मेरी बेटी अक्सर मोबाइल पर फ्री फायर गेम खेला करती थी।उसी दौरान रितेश नामक लड़के से दोस्ती हुई थी। मामले में युवती के पिता ने 16 नवंबर 2022 को शिकारीपाड़ा थाना में सनहा दर्ज करने और लड़की की खोजबिन को लेकर आवेदन दिया था।युवती के पिता के आवेदन पर शिकारीपाड़ा पुलिस ने थाना कांड संख्या 151/22 धारा 366 आईपीसी के तहत मामला दर्ज कर लिया है।समाचार लिखे जाने तक पुलिस लड़की का पता लगाने में जुटी थी।

भाजपा द्वारा आयोजित जनआक्रोश प्रदर्शन में शामिल होंगे पूर्व मुख्यमंत्री बाबूलाल

झारखंड देखो/प्रतिनिधि।

दुमका। आगामी 25 नवम्बर को दुमका जिला मुख्यालय में आयोजित भारतीय जनता पार्टी के राज्य स्तरीय जनआक्रोश प्रदर्शन में भाजपा विधायक दल के नेता सह पूर्व मुख्यमंत्री बाबूलाल मरांडी मुख्य रूप से उपस्थित रहेंगे।मीडिया प्रभारी पिंटू अग्रवाल ने इस बाबत जानकारी देते हुए बताया कि वर्तमान हेमंत सरकार के जन विरोधी नीतियों एवं पूरे राज्य में व्याप्त भ्रष्टाचार,तुष्टीकरण की राजनीति,हत्या,अनाचार,बालू पत्थर और कोयला के लूट और झूठ के विरोध में आक्रोश प्रदर्शन कार्यक्रम के निमित्त, 25 नवंबर को दिन के 11 बजे दुमका जिला मुख्यालय में बृहत कार्यक्रम होगा बताया कि झारखंड के प्रथम मुख्यमंत्री सह भाजपा विधायक दल के नेता आदरणीय बाबूलाल मरांडी के उपस्थिति और अगुवाई में होने वाले जनआक्रोश प्रदर्शन में हजारों की संख्या में कार्यकर्ता शामिल होंगे।राज्य सरकार के द्वारा जिस प्रकार भ्रष्टाचार और लूट की पटकथा झारखंड में लिखी जा रही है,अपने चुनावी वादों के विपरीत जिस प्रकार आम आदमी अपने को ठगा महसूस कर रहा है उससे भाजपा ही निजात दिलाएगी। अग्रवाल ने कहा कि भरतीय जनता पार्टी के सभी नेता, कार्यकर्ता एवं आमजनमानस दुमका के यज्ञ मैदान में एकत्रित होकर वहां से जुलूस के शक्ल में पुराना समाहरणालय स्थित कार्यक्रम स्थल पहुंचेंगे,जहां पार्टी के नेता जन आक्रोश प्रदर्शन में एकत्रित हुए कार्यकर्ताओं को संबोधित करेंगे।

आदिवासी बहुल गांव पोखरिया में पिछले एक वर्ष से खराब पड़े हैं ट्रांसफार्मर, लोग अंधेरे में जीने को विवश

झारखंड देखो/प्रतिनिधि।

सोनारायठाडी। आपकी योजना, आपकी सरकार आपके द्वार कार्यक्रम के तहत हेमंत सरकार के अधिकारी, मंत्री और मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन स्वयं उक्त कार्यक्रम के तहत कई गांव पहुँचे, लोगो की समस्याएं सुनी और उसका भरसक निदान भी हुआ। किन्तु देवघर जिले के सोनारायठाड़ी प्रखण्ड क्षेत्र स्थित जरका पंचायत -2 के आदिवासी बहुल गांव पोखरिया में लोगो को शायद इसका कोई लाभ मिला या नही मिला किन्तु इतना जरूर है पिछले एक वर्ष से खराब पड़े ट्रांस×फर्मर को बदला नही गया और लोग आज भी अंधेरे में रहने को बाध्य है। और अभी भी विभाग का इस ओर किसी का कोई ध्यान क्यों नही गया कहना मुश्किल है। लोगो ने इस मामले में कई बार सम्बंधित विभाग को लिखित जानकारी दी किन्तु करवाई के नाम हुआ कुछ नही। बताते चले कि राज्य के कृषि पशुपालन, गन्ना, मत्स्य, सहकारिता मंत्री बादल पत्रलेख उक्त गांव के ब×गल में स्थित सारवां थाना क्षेत्र स्थित भंडारों गांव में रहते है। आश्चर्य यह कि इसके बावजूद उक्त ट्रांस×फर्मर को बदला नही गया। इतना ही विद्युत विभाग के अधीक्षण अभियंता के महीनों पूर्व दिये गये निर्देश भी कनीय अभियंता के सामने धूल फांक रही है। इस मामले में अधीक्षण अभियंता श्री उपध्याय से बातचीत की तो उन्होंने कहा कि वे इस मामले में निर्देश दे दिये है फिर इस मामले को फिर देखते है।इधर विभागीय कनीय अभियंता शीला हंसदा से पक्ष जानने के लिए किये गये कॉल के जबाब में मोबाइल स्विच ऑफ बताया गया। अब देखना है कि अनुसूचित जाति/जनजातियों और पिछडो के विकास के नाम पर बनी हेमंत सरकार में इन आदिवासी गांव में वर्षो से खराब पड़े ट्रांसफार्मर को बदलकर उस गांव में विद्युत आपूर्ति की जाती है या राजनीति- रणनीति के बीच और मंत्री के एक कथित रिस्तेदार के बहकावे का शिकार होकर विभाग उक्त गावो के लोगो छोड़ देते है अंधेरे में रहने को?

सीएससी का एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन

10 वी एल ई को उपायुक्त द्वारा सर्टिफिकेट वितरण

झारखंड देखो/प्रतिनधि।

दुमकाःइनडोर स्टेडियम दुमका में सीएससी से संबंधित एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। जिसमे उपायुक्त ने वी एल ई को संबोधित करते हुआ कहा वी एल ई सरकार के ही एक अंग है, उन्हें सरकार के साथ मिल सरकार के द्वारा चलिए जा रही योजना के सीएससी कॉमन सर्विस सेंटर के माध्यम से सुदूर ग्रामीण क्षेत्रों में केंद्र सरकार और राज्य सरकार के द्वारा चले जा रहे योजोजा को लाभ लोगो तक पहुंचाए , उन्होंने कहा की सरकार आप के द्वार और कोविड वेकसीनेशन जैसे कार्यों में वी एल ई का बहुत महात्वरपुर योगदान रहा, राज्य से सीएससी-एस पी वी की टीम श्री एस. एम. आलम (डीजीएम),के द्वारा एन पी एस , इंशयोरेंस,बैंकिंग एवम सीएससी से सभी सेवाओं के बारे में विस्तृत जानकारी दी, वसीम इमाम (स्टेट प्रोग्राम मैनेजर), सीएससी क्या है,सीएससी में कैसे काम करे और कैसे सीएससी से जुड़ के आप कैसे ज्यादा से ज्याश आमदनी बड़ा सकते है, एवम आप अपने सीएससी से डाक मित्र सेवा के द्वारा डाक घर के भी कार्य कर सकते है, श्री संतोष कुमार ने आधार सेवा के बारे में जानकारी दी, श्री विक्रम वर्मा ने सीएससी बाल बिध्याय, टेली लॉ , पी एम जी दिशा के बारे में जानकी दी, रोहित कुमार ने सीएससी ग्रामीण ई स्टोर के बारे में बताया, जिला अंतर्गत 300 से ज्यादा प्रज्ञा केंद्र संचालक, एसएचजी मेम्बर, पीडीएस डीलर शामिल हुए । मौके पर सीएससी जिला प्रबंधक शुभम कुमार झा एवम भानु प्रकाश, सीएससी जिला समन्वयक रविन्द्र राउत मौजूद थे।

संक्षिप्त समाचार

बुढ़ैई नवान मेला को लेकर एसडीओ ने किया स्थल का किया निरीक्षण, दिये कई निर्देश

मधुपुर/झारखंड देखो/प्रतिनिधि। अनुमंडल के बुढ़ैई में लगने वाले तीन दिवसीय बूढ़ेई नवान मेला 28 नवंबर से प्रारंभ हो रहा है और आयोजक के द्वारा मेला की तैयारी शुरू कर दी गई है। वहीं दूसरी ओर प्रशासन सुरक्षा और व्यवस्था को लेकर चौकस है।वहीं गुरूवार को मधुपुर अनुमंडल पदाधिकारी आशीष अग्रवाल पुलिस और प्रशासनिक पदाधिकारियों के साथ मेला व मंदिर पर्वत स्थल निरीक्षण के दौरान पंचायत प्रतिनिधि और आयोजकों से जानकारी ने पदाधिकारियों को मेला में सुरक्षा और व्यवस्था बनाए रखने को लेकर आवशत्यक निर्देश दिए। उन्होंने मेला के दौरान सुरक्षा के कड़े इंतजाम करने का भी निर्देश दिया। झारखंड के अलावा बिहार से भी बड़ी संख्या में श्रद्धालु पहुंचते हैं। मौके पर सीईओ परमेश्वर कुशवाहा बुढ़ैई थाना प्रभारी हीरालाल तुबिद आदि उपस्थित थे!

आंगनवाडी सेविकाओं को दिया गया प्रशिक्षण

मधुपुर/झारखंड देखो/प्रतिनिधि। प्रखंड कार्यालय स्थित बाल विकास परियोजना सभागार भवन में आरएच- भीई को लेकर आंगनबाड़ी सेविकाओं को एक दिवसीय प्रशिक्षण दिया गया। इस मौके पर ट्रेनर पूनम कुमारी ने सेविकाओं को प्रशिक्षण देते हुए कहा अपने-अपने आंगनबाड़ी सेंटर में ऐसे महिलाओं को जागरूक करें कि वह गर्भ व्यवस्था में अपना सही और समय पर जांच करा सके और दिए गए सलाह का सही से पालन करें। गर्भ व्यवस्था के समय रजिस्टर पंजीकरण करवाएं मां एवं बाल सुरक्षा कार्ड में ब्लड ग्रुप का प्रकार दर्ज कराएं। सभी चार्ट प्रसव जांच अवशत्य कराएं और लगातार चिकित्सक से परामर्श ले! उन्होंने कहा गर्भपात के समय डॉक्टर की देखरेख में कराएं और कानूनी सलाह डॉक्टर से ले गर्भ व्यवस्था के दौरान माता और जन्मे बच्चे शिशु में अलग-अलग आरएच प्रोटीन फैक्टर रिक्त में होते हैं तो उस स्थिति को आरएच विसंगति कहते हैं पहली गर्भ अवस्था में दूसरे बच्चे के स्वास्थ सुरक्षित रखने और साथ ही आपकी व्यवस्था को सुरक्षित बनाने के लिए निवारक उपाय किया जा सके! इस मौके पर पर्यवेक्षिका निवेदिता नटराजन, प्रियंका कुमारी, सालंती हेंब्रम, कंप्यूटर ऑपरेटर टिंकू दास, सहित दर्जनों सेविकाए उपस्थित रहे!

बीडीओ ने पंचायत सचिव व रोजगार सेवक के साथ की समीक्षा बैठक

मधुपुर/झारखंड देखो/प्रतिनिधि। प्रखंड कार्यालय स्थित सभागार भवन में प्रखंड विकास पदाधिकारी राजीव कुमार सिंह की अध्यक्षता में समीक्षा बैठक का आयोजन किया गया। बैठक में मनरेगा, आवास योजना, अमृत सरोवर, यूडीआईडी, विभिन्न पेंशन योजना सहित विभिन्न योजनाओं की समीक्षा की गयी। प्रखंड विकास पदाधिकारी राजीव कुमार सिंह द्वारा प्रधानमंत्री आवास योजना, पीएम आवास प्लस योजना, अंबेडकर आवास योजना की समीक्षा के क्रम में उपस्थित सभी पंचायत सचिव व रोजगार सेवक को लंबित आवासों को यथाशीघ्र पूरा करने का निर्देश दिया गया। साथ ही आवास योजनांतर्गत प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) अम्बेडकर आवास योजना अंतर्गत निर्मित, निर्माणाधीन आवासों की समीक्षा कर संबंधित पंचायत सचिव व रोजगार सेवक को आवशत्यक दिशा निर्देश दिया गया। बीडीओ ने मनरेगा अंतर्गत संचालित योजना की योजनावार समीक्षा करते हुए लक्षत्य के अनुरूप कार्य करते हुए शत-प्रतिशत पुरानी योजनाओं को पूर्ण करने के निर्देश दिया। मौके पर प्रखंड के सभी पंचायत सचिव एवं ग्राम रोजगार सेवक उपस्थित थे!

आक्रोश रैली निकालकर भाजपाइयों ने हेमंत सरकार पर जमकर बोला हमला

हेमंत सरकार को गद्दी पर बने रहने का कोई अधिकार नहीं : अमर बाउरी

झारखंड देखो/प्रतिनिधि।

पाकुड़। हेमंत हटाओ, झारखंड बचाओ अभियान के तहत भाजपा राज्य के सभी जिला मुख्यालयों में झारखंड सरकार के खिलाफ आक्रोश प्रदर्शन कर रही है। इसके तहत गुरुवार को शहर के रेलवे स्टेशन से पार्क परिसर तक जिलाध्यक्ष अमृत पांडेय के नेतृत्व में आक्रोश रैली निकाली गई। मौके पर भाजपा विधायक सह पूर्व केबिनेट मंत्री अमर बाउरी ने कहा कि राज्य की जनता इस सरकार से त्राहिमाम कर रही है। पूरे राज्य में भ्रष्टाचार फैला हुआ है। श्री बाउरी ने कहा कि इस सरकार को गद्दी पर बने रहने का कोई अधिकार नहीं है। वही श्री बाउरी ने कहा कि भाजपा जब तक इस सरकार को उखाड़ नहीं फेंकती, तब तक चैन से नहीं बैठेगी। हेमंत सरकार भ्रष्टाचार का पर्याय बन चुकी है। सरकार को जनता ने विकास के लिए जनादेश दिया था, लेकिन यह सरकार राज्य को विनाश की ओर ले कर जा रही है। विपक्ष होने के नाते हम अपने दायित्वों का निर्वहन कर रहे हैं। कहा कि झारखंड राज्य बड़े संघर्ष के बाद बना है। जब-जब राज्य में एनडीए की सरकार रही, राज्य का तेजी से विकास हुआ, लेकिन यूपीए की सरकार बनते ही राज्य लूट का अड्डा बन गया है। राज्य के प्राकृतिक व खनिज संपदाओं से खिलवाड़ हो रहा है। बिना अनुमति के खनिज संपदाओं को दूसरे राज्य भेजा जा रहा है, राज्य में माफिया हावी हैं। केंद्र सरकार आम जनता को हक व अधिकार देने में लगी है, लेकिन राज्य सरकार इसे अनदेखी कर रही है। कहा कि अगर पाकुड़ जिला की बात की जाए तो पूरा जिला भ्रष्टाचार का अड्डा बना हुआ है। कोई भी पदाधिकारी के पास बिना घुस दिए कोई काम नहीं होता हैं। पाकुड़ की जनता त्राहिमाम कर रही है। आक्रोश रैली में शामिल कार्यकर्त्ताओं ने रेलवे स्टेशन से पार्क तक पहुंचकर धरना दिया। इस दौरान हेमंत हटाओ, झारखंड बचाओ का नारेबाजी करते हुए पार्टी नेताओं ने राज्य सरकार पर जमकर निशाना साधा। मौके पर मौके पर भाजपा अल्पसंख्यक मोर्चा की राष्ट्रीय मंत्री मिस्फीका हसन, जिला अध्यक्ष अमृत पांडे, नगर परिषद अध्यक्ष सम्पा साहा, महेशपुर पूर्व विधायक मिस्त्री सोरेन, पाकुड़ पूर्व विधायक वेणी प्रसाद गुप्ता, पूर्व जिला परिषद अध्यक्ष बाबूधन मुर्मू, भाजपा नेता हिसाबी राय सहित अन्य भाजपा कार्यकर्ता मौजूद थे।

● राज्य में बेटियों के साथ हो रहा अत्याचार:अमर बाउरी-

भाजपा विधायक सह पूर्व केबिनेट मंत्री अमर बाउरी ने कहा कि राज्य सरकार ने जो वादा किया उस पर तीन साल में भी अमल नहीं हुआ। राज्य में किसान, युवा, बेरोजगार, महिला, छात्र, व्यापारी, जनता सभी नाराज हैं। कहा कि हेमंत सोरेन सरकार ने किसानों को मिलने वाली राशि बंद कर दी, जिस कारण किसान त्राहिमाम कर रहे हैं। राज्य में बेटियों के साथ अत्याचार हो रहा है। अपराधियों का बोलबाला है, कानून व्यवस्था की स्थिति बदतर हो गई है।

● प्रदेश में तीन साल की लूट की सरकार लूट रही है : मिस्त्री सोरेन

महेशपुर पूर्व विधायक मिस्त्री सोरेन ने कहा कि राज्य में तीन साल से लूट-खसोट की सरकार चल रही है । झूठ बोलकर सरकार बना लिया गया, मगर राज्य सरकार हर क्षेत्र में फेल हुई है। यह घोटाले की सरकार है, इसे बर्दाश्त नहीं किया जायेगा। उन्होंने कहा कि जनता इस सरकार से आक्रोशित हैं और आने वाले चुनाव में इसे उखाड़ फेकेगी।

बासुकीनाथ में भाजपा की नगर इकाई की बैठक आयोजित

झारखंड देखो/प्रतिनिधि।

बासुकीनाथ। बासुकीनाथ स्थित दुमका धर्मशाला में बुधवार को भारतीय जनता पार्टी की बासुकीनाथ नगर इकाई की बैठक आयोजित हुई। यह बैठक भाजपा की बासुकीनाथ नगर अध्यक्ष स्वरूप सिन्हा की अध्यक्षता में आयोजित हुई। इस बैठक में आगामी 25 नवंबर को दुमका जिला मुख्यालय में पार्टी के द्वारा आयोजित जन आक्रोश रैली की सफलता को लेकर विचार विमर्श किया गया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए भाजपा नगर अध्यक्ष स्वरूप सिन्हा ने कहा कि वर्तमान समय में राज्य में बेहद अराजकता की स्थिति है। इस सरकार में भ्रष्टाचारियों का बोलबाला है। राज्य सरकार के विरुद्ध आगामी 25 नवंबर को आयोजित जन आक्रोश रैली में बासुकीनाथ नगर से सैकड़ों की संख्या में भाजपा नेता व कार्यकर्ता पहुंचेंगे। बासुकीनाथ नगर पंचायत अध्यक्ष सह भाजपा नेत्री पूनम देवी ने बैठक को संबोधित करते हुए कहा कि राज्य में वर्तमान समय में महिलाओं, किशोरियों, बच्चियों की स्थिति अत्यंत दयनीय है। महिला हिंसा, महिलाओं के साथ व्यभिचार के मामलों में अप्रत्याशित वृद्धि हुई है। राज्य सरकार इसे रोक पाने में पूरी तरह से असमर्थ है। राज्य सरकार की नीतियों के विरुद्ध आयोजित जन आक्रोश रैली में बासुकीनाथ नगर पंचायत से भारी संख्या में महिला नेता व कार्यकर्ताओं की भागीदारी होगी। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए पूर्व विधायक देवेंद्र कुंवर ने कहा कि वर्तमान सरकार जन विरोधी है। यह सरकार भ्रष्टाचार एवं लूट के आकंठ में डूबी हुई है। राज्य सरकार की नीतियों को लेकर पार्टी के नेता व कार्यकर्ताओं द्वारा जोरदार विरोध प्रदर्शन किया जाएगा। जिला मुख्यालय में आयोजित होने वाली जन आक्रोश रैली को पूर्व मुख्यमंत्री बाबूलाल मरांडी संबोधित करेंगे। इस बैठक में मुख्य रूप से भाजपा जिला महामंत्री मनोरमा देवी, नगर उपाध्यक्ष दीवानी राय, नरेश पंडा, राज नारायण साह, नगर महामंत्री कार्तिक राव, बालमुकुंद ठाकुर, एसटी मोर्चा अध्यक्ष पंकज किस्कु, ओबीसी मोर्चा अध्यक्ष राजकिशोर मंडल, युवा नेता संदीप पांडेय, शैलेश राव, राकेश मिश्रा, आशुतोष सिंह, जयप्रकाश शर्मा, युवा मोर्चा नगर अध्यक्ष पप्पू सिंह, कटकी राव, विवेक पंडा, प्रीतम सिन्हा, सहदेव मांझी, संतोष कुमार झा एवं दर्जनों अन्य भाजपा नेता व कार्यकर्ता मौजूद थे।

जिला निर्वाचन पदाधिकारी ने वीसी के माध्यम से किया निर्वाचन संबंधी बैठक

गिरिडीह/झारखंड देखो/प्रतिनिधि। फोटोयुक्त मतदाता सूची विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण कार्यक्रम 2023 के तहत जिला निर्वाचन पदाधिकारी-सह-उपायुक्त ने जिले के सभी निर्वाचक निबंधन पदाधिकारी एवं सहायक निर्वाचक निबंधन पदाधिकारी के साथ वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से निर्वाचन संबंधित कार्यों को लेकर बैठक की। इस दौरान जिला निर्वाचन पदाधिकारी ने मतदाता सूची विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण कार्यक्रम 2023 के दौरान किए जा रहे कार्यों की समीक्षा की तथा आवशत्यक दिशा निर्देश दिया। इसके अलावा उन्होंने कहा कि 17 व 18 आयु वर्ग के युवाओं का नाम मतदाता सूची में दर्ज कराएं, अहर्तायुक्त वैसे व्यक्ति जिनका नाम मतदाता सूची में पंजीकरण नहीं हुआ है उनका नाम पंजीकरण करने, आधार अधिप्रमाणन आदि की समीक्षा कर आवशत्यक दिशा निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि सभी योग्य नागरिकों का नाम मतदाता सूची में जोड़ने संबंधी फॉर्म संग्रह कराएं।

सांप्रदायिक सदभावना सप्ताह के अंतर्गत चित्रकला प्रतियोगिता आयोजित

गिरिडीह/झारखंड देखो/प्रतिनिधि। सांप्रदायिक सद्भावना सप्ताह के अंतर्गत गुरुवार को आरके महिला कॉलेज बरगंडा गिरिडीह में चित्रकला प्रतियोगिता आयोजित की गई । प्रतियोगिता को एनएसएस इकाई 1 और 2 ठोस अभिव्यक्ति फाउंडेशन के द्वारा कराया गया था।प्रतियोगिता में लगभग 40 प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया। सबों ने एक से बढ़कर एक सद्भावना आधारित चित्र बनाएं। इस प्रतियोगिता में निर्णायक के रूप में कॉलेज की प्राचार्या डॉक्टर मधुश्री सेन सन्याल तथा एनएसएस कि अधिकारी नम्रता तिर्की थी। अभिव्यक्ति फाउंडेशन के अधिकारी अनुपम रॉय भी उपस्थित थे। चित्रकला प्रतियोगिता में प्रथम स्थान पर श्रेया कुमारी, द्वितीय स्थान पर सलोनी कुमारी और तृतीय स्थान पर किरण कुमारी रही। इस अवसर पर प्राचार्या डॉक्टर मधुश्रीसेन सन्याल ने कहा कि आज के प्रतियोगिता का विषय भाईचारा था जिसमें छात्राओं ने बहुत ही बेहतरीन चित्र बनाएं तथा अपने मनोभावों को चित्र के रूप में अभिव्यक्त किया । मैं समस्त छात्राओं की उज्जवल भविष्य की कामना करती हूं और यह समझती हूं किआने वाले दिनों में समाज में भाईचारा को स्थापित करने का काम छात्राएं करेंगी।

केजरीवाल का सपना भारत शीघ्र विकसित राष्ट्र बने : 'आप'

आम आदमी पार्टी का स्थापना दिवस 26 को

झारखंड देखो/प्रतिनिधि।

गिरिडीह। आम आदमी पार्टी का स्थापना दिवस 26 नवम्बर 2022 को गिरिडीह स्थित जिला कार्यालय में मनाया जाएगा। उक्त जानकारी प्रदेश प्रवक्ता कृष्ण मुरारी शर्मा ने दी। उन्होंने कहा कि आम आदमी पार्टी आन्दोलन से निकली हुई पार्टी है। क्रांति के दस साल पूरे होने के अवसर पर पूरे झारखंड में 26 नवंबर को आम आदमी पार्टी का स्थापना दिवस मनाया जाएगा। उन्होंने कहा कि देश आजाद हुए 75 साल हो गए लेकिन आजादी के 75 साल बाद भी बच्चों के लिए अच्छी और गुणवत्तापूर्ण शिक्षा देने वाले स्कूल नहीं बन पाए। आजादी के 75 साल बाद भी लोगों के समुचित इलाज के लिए अस्पताल नहीं बन पाए। आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक और दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविन्द केजरीवाल ने मात्र 5 साल में दिल्ली में शिक्षा और स्वास्थ्य का मॉडल जो देश को दिया है वो एक उदाहरण है। उन्होंने कहा कि अरविन्द केजरीवाल का सपना है कि देश की जनता को 24 घंटे बिजली पानी, गुणवत्तापूर्ण और मुफ्त शिक्षा , सबों को मुफ्त और अच्छी स्वास्थ्य व्यवस्था, नौजवानों को रोजगार मिले । देश में भ्रष्टाचार का खात्मा हो और हमारा देश विकसित राष्ट्र बने। उन्होंने कहा कि ये विचारधारा अब देश के कोने कोने में और गांव गांव में पहुंच चुका है। श्री शर्मा ने कहा कि झारखंड के प्रदेश संयोजक डीएनसिंह के नेतृत्व में राज्य के सभी जिलों में संगठन निर्माण का कार्य जारी है। झारखंड में सता तो बदली लेकिन व्यवस्था नहीं बदली। उन्होंने कहा कि अब झारखंड की जनता व्यवस्था बदलाव की लड़ाई लड़ने को तैयार है।

अलग-अलग मामलों के दो वारंटी गए जेल

मधुपुर/झारखंड देखो/प्रतिनिधि। पुलिस ने अलग-अलग मामलों में फरार चल रहे दो वारंटी को गिरफ्तार कर गुरुवार को जेल भेज दिया है । पुलिस ने बताया कि मधुपुर से अवैध बालू बिहार तस्करी करने के मामले में एक साल पूर्व से फरार चल रहे लोहराजोर गांव निवासी संजय कुमार सिंह उर्फ पप्पू को गिरफ्तार किया गया, वहीं लालगढ़ मोहल्ला के निकट मधुपुर सारठ मुख्य पथ पर के पथरहड्डा गांव के एक युवक से मारपीट और छीनतइ करने के मामले में नामजद आरोपित लालगढ़ निवासी मोहम्मद जुबेर उर्फ छोटू को गिरफ्तार किया गया। दोनों आरोपित को अनुमंडलीय न्यायिक दंडाधिकारी के न्यायालय में प्रस्तुत किया गया । जहां सुनवाई के बाद दोनों को न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है

विद्यार्थियों की प्रतिभा को एक आयाम देना ही मेरा अंतिम लक्षत्य : डॉ. राज

झारखंड देखो/प्रतिनिधि।

देवघर। स्थानीय केरला एजुकेशनल एंड सोशल वेलफेयर सोसायटी तथा विवेकानंद शैक्षणिक, सांस्कृतिक एवं क्रीड़ा संस्थान के युग्म बैनर तले पिछले दिन सिद्धिविनायक बैंक्वेट हॉल में बेस्ट स्टूडेंट अवार्ड सेरेमनी के अंतर्गत झारखंड, मध्यप्रदेश, ओड़िसा, पश्चिम बंगाल व दिल्ली के 30 विद्यार्थियों को बेस्ट स्टूडेंट अवार्ड की मानद उपाधि से केरला सोसाइटी के राष्ट्रीय सचिव डॉ. जय चन्द्र राज, विवेकानंद संस्थान के केंद्रीय अध्यक्ष डॉ. प्रदीप कुमार सिंह देव, डॉ. नीतू अग्रवाल, डॉ. चेतना भारती, दुमका निवासी मणिकांत राय एवं मीणा राय, रोशनी झा, प्रियांशु प्रिया के करकमलों से अलंकृत एवं विभूषित की गई। प्राप्त जानकारी के अनुसार देवसंघ नेशनल स्कूल की छात्रा शाम्भवी सागर, देवघर संत फ्रांसिस स्कूल सह डॉल्फिन डांस एकेडेमी के अक्षर आवयुक्त, गीता देवी डीएवी पब्लिक स्कूल की आराध्या प्रिया, गोराबाजार शिल्प मंदिर गर्ल्स हाई स्कूल, बरहमपुर, मुर्शिदाबाद, पश्चिम बंगाल की शुभोमिता दास, ब्राइट कैरियर स्कूल के अंश राज, माउंट लिटेरा जी स्कूल की प्रीति कुमारी, मॉर्निंग बेल्स एकेडेमी, उत्तर 24 परगना, पश्चिम बंगाल के ऋक्षदेव भौमिक, फ्लोरैंस कॉलेज ऑफ फार्मेसी, राँची के नीरज कुमार, गीता देवी डीएवी पब्लिक स्कूल की सौम्या भारद्वाज, संत माईकल एंग्लो विद्यालय की श्रुति वर्णवाल, सनराइज द्वारिका एकेडेमी की सोनम श्री, हंसध्वनि संगीत कला केंद्र के सत्यानन्द कुमार, जसीडीह संत फ्रांसिस स्कूल के प्रियांशु कुमार, डीएवी पब्लिक स्कूल, राउरकेला की सोहानी कुमारी, एटर्नल स्कूल ऑफ स्टडीज, शाजापुर, मध्यप्रदेश के हार्दिक पाटीदार, राग रंग संगीत कला केंद्र की अनुरूपा मण्डल, संत जेवियर्स हाई स्कूल सह बूगी वूगी एकेडेमी की कावेरी सहाय, सिप अबेकस की नेहा कनोडिया, देवघर संत फ्रांसिस स्कूल की श्रेया केशरी तथा द हेराल्ड स्कूल, दुमका की आरूषि गोराई, देवघर संत फ्रांसिस स्कूल की श्रेया केशरी, कला निकेतन की अंजली मिश्रा, डांस नाईट स्टूडियो के अर्णव कुमार एवं अभिनव कुमार, डॉल्फिन डांस एकेडेमी के अमायरा सिंह, देवघर सेंट्रल स्कूल के सूरज कुमार, दून पब्लिक रेसिडेंशियल स्कूल के कुणाल कुमार, जसीडीह पब्लिक स्कूल के अंजन कुमार राय, मॉडर्न पब्लिक स्कूल आर्यन कुमार व दिल्ली पब्लिक स्कूल, आर. के. पूरम, दिल्ली के हर्ष वर्धन को पुरस्कृत किया गया। साथ ही दुमका एस. पी. कॉलेज की अन्नु प्रिया कुमारी को केरला सोसाइटी आर्टिस्ट ऑफ द ईयर अवार्ड एवं कुशमाहा, मधुपुर निवासी अदिति कुमारी को संत माईकल आर्टिस्ट ऑफ द ईयर अवार्ड की मानद उपाधि प्रदान की गई।

कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालय जरमुंडी में शिक्षक अभिभावक गोष्ठी का आयोजन

झारखंड देखो/प्रतिनिधि।

बासुकीनाथ। जरमुंडी प्रखंड स्थित कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालय में गुरुवार को विद्यालय के प्रधान शिक्षिका वार्डन सुनीता तेरेसा हांसदा की अध्यक्षता में शिक्षक अभिभावक गोष्ठी का आयोजन किया गया। इस बैठक में मुख्य रूप से प्रोजेक्ट संपूर्णा के प्रोग्राम एसोसिएट पूनम बोदरा उपस्थित थे। इस बैठक में विद्यालय में अध्ययनरत छात्राओं की शत-प्रतिशत उपस्थिति, नामांकन पाठ्यक्रम पूर्ण करने की स्थिति, परीक्षा में छात्राओं के प्रदर्शन की समीक्षा, छात्राओं के लर्निंग गैप को समझाने के साथ-साथ माध्यमिक एवं उच्च माध्यमिक विद्यालयों में व्यावसायिक शिक्षा की जानकारी प्रदान की गई। वार्डन के द्वारा उपस्थित छात्राओं को सरकार के द्वारा चलाई जा रही खेलो झारखंड में बच्चों को प्रोत्साहित करने के लिए माता-पिता एवं अभिभावकों की साझेदारी को लेकर चर्चा की गई। इस कार्यक्रम की शुरुआत विद्यालय की छात्राओं के द्वारा स्वागत गान से किया गया तथा लर्निंग गैप को लेकर एक लघु नाटिका के द्वारा दर्शाया गया। छात्राओं के उच्च शिक्षा प्राप्ति में अभिभावकों की भूमिका को लेकर एक लघु नाटिका भी प्रदर्शित की गयी। इस बैठक में मुख्य रूप से विद्यालय में छात्राओं की शत-प्रतिशत उपस्थिति, पाठ्यक्रम को ससमय पूर्ण करने, छात्राओं के पठन-पाठन में अभिभावकों के सहयोग, विभिन्न प्रकार की परीक्षाओं में छात्राओं के प्रदर्शन के बारे में विस्तारपूर्वक शिक्षक व अभिभावकों में चर्चा हुई। इस गोष्ठी में विद्यालय में अध्यनरत छात्राएं एवं अभिभावक गण मौजूद थे।

संपादकीय

बदलाव की उम्मीद

जब कभी इस पद पर कोई नया व्यक्ति आता है तो उससे नई उम्मीदें लगाई जाती हैं, न्यायमूर्ति चंद्रचूड़ से भी लगाई जा रही हैं। शपथ लेने के पहले और उसके बाद उन्होंने कई बातें कही हैं और कुछ संकेत दिए हैं जिनसे यह अंदाजा लगाया जा सकता है कि वे क्या कुछ नया कर सकते हैं। जहां तक एक प्रधान न्यायाधीश के कुछ कर पाने का सवाल है, तो हाल का अनुभव यह है कि इस पद पर ज्यादातर न्यायाधीशों का कार्यकाल ज्यादा नहीं रहा। लेकिन न्यायमूर्ति चंद्रचूड़ के पास भरे पूरे दो साल हैं। इसलिए उम्मीद लगाई जा सकती है कि वे जो कुछ करना चाहेंगे, उसे कर पाएंगे। शपथ लेने के पहले उन्होंने काफी कुछ कहा जिससे उनकी प्राथमिकताओं का अंदाजा लगता है। इसके अलावा उनकी पृष्ठभूमि और कार्यशैली के आधार पर भी अनुमान लगाया जा सकता है कि आने वाले दिनों में न्यायपालिका में क्या बदलाव देखने को मिल सकते हैं। देश को एक ऐसे प्रधान न्यायाधीश मिले हैं जो मानते हैं कि संवैधानिक लोकतंत्र में कोई भी संस्था परिपूर्ण नहीं हो सकती, लेकिन हमारे पास इसे उन्नत करने की अच्छी गुंजाइश है क्योंकि हमारी न्याय व्यवस्था में अभी भी उपनिवेश काल के लक्षण हैं। न्यायमूर्ति चंद्रचूड़ ने इसे ज्यादा पारदर्शी और नागरिकों के लिए सरल बनाने की बात कही है। यानी आगे यह देखा जाना महत्त्वपूर्ण होगा कि न्याय प्रक्रिया ज्यादा पारदर्शी कैसे बनेगी। प्रधान न्यायाधीश की कही एक और बात से यह संकेत भी मिलता है कि उनकी विचार व्यवस्था के केंद्र में देश का नागरिक होगा। बहुत संभव है कि उनके नेतृत्व में भारतीय न्याय व्यवस्था को अब हम सामान्य नागरिकों के हित में कुछ उदार होते हुए देखें। यह उम्मीद इस आधार पर भी लगाई जा सकती है कि कार्यभार संभालने के पहले न्यायमूर्ति चंद्रचूड़ महात्मा गांधी को नमन करने गए। महात्मा गांधी ने कहा था कि पाप से घृणा करो, पापी से नहीं। इस तरह एक गुंजाइश यह बन सकती है कि कठोर दंड की बजाय अब उदारता के साथ अपराधियों के सुधार के कुछ प्रयोग होते दिखें। न्यायपालिका में समयानुकूल एक और सुधार की उम्मीद भी लगाई जा सकती है। न्यायमूर्ति चंद्रचूड़ ने सोशल मीडिया के बढ़ते प्रभाव का भी जिक्र किया है। इस सिलसिले में गौर करने की बात यह है कि उन्होंने न्यायतंत्र में भी समयानुकूल प्रशिक्षण की जरूरत की तरफ इशारा किया है। अगर न्याय कार्य में प्रबंधन प्रौद्योगिकी के इस्तेमाल का संकेत मिला है तो एक उम्मीद यह भी लगाई जा सकती है कि न्यायालय में प्रशासनिक कार्यो में प्रौद्योगिकी का प्रयोग बढ़ेगा। हो सकता है कि अब अदालतों में प्रशिक्षित प्रबंधकों की नियुक्ति का कार्य आगे बढ़ता दिखाई दे। बेशक इससे अदालतों में लंबित मामलों का बोझ कम करने में बहुत मदद मिलेगी। जहां तक न्यायमूर्ति चंद्रचूड़ की न्यायिक और अकादमिक पृष्ठभूमि का पहलू है तो यह पहले से ही माना जाता है कि वे न्याय दर्शन के विद्वान हैं, न्याय सिद्धांत के एक संजीदा अध्येता हैं। इस आधार पर बहुत संभव है कि आने वाले दिनों में हमें कुछ ऐसे फैसले देखने को मिलें जो नजीर बन जाएं। खासतौर पर मानवाधिकारों या नागरिक अधिकारों के जटिल मामलों में न्यायोचित उदारता बढ़ने की भी उम्मीद लगाई जा सकती है। सकारात्मक बदलाव की इतनी उम्मीदें लगाई जा रही हैं तो जल्द ही हमें यह भी देखने को मिल सकता है कि सामान्य नागरिकों के हित के प्रकरणों में सर्वोच्च न्यायलय में अब स्वत संज्ञान के मामले बढ़ते दिखाई दें।

पृष्ठमूमि और कार्यशैली के आधार पर भी अनुमान लगाया जा सकता है कि आने वाले दिनों में न्यायपालिका में क्या बदलाव देखने को मिल सकते हैं। देश को एक ऐसे प्रधान न्यायाधीश मिले हैं जो मानते हैं कि संवैधानिक लोकतंत्र में कोई भी संस्था परिपूर्ण नहीं हो सकती, लेकिन हमारे पास इसे उन्नत करने की अच्छी गुंजाइश है क्योंकि हमारी न्याय व्यवस्था में अभी भी उपनिवेश काल के लक्षण हैं। न्यायमूर्ति चंद्रचूड़ ने इसे ज्यादा पारदर्शी और नागरिकों के लिए सरल बनाने की बात कही है। यानी आगे यह देखा जाना महत्त्वपूर्ण होगा कि न्याय प्रक्रिया ज्यादा पारदर्शी कैसे बनेगी। पृष्ठमूमि और कार्यशैली के आधार पर भी अनुमान लगाया जा सकता है कि आने वाले दिनों में न्यायपालिका में क्या बदलाव देखने को मिल सकते हैं।

आज देश की राजनीति का स्तर केवल भाजपा समर्थन या भाजपा विरोध ही रह गया है

वीर सावरकर का अपमान कर कांग्रेस ने जो चाल चली थी वह विफल हो गयी

महाराष्ट्र में वीर सावरकर के प्रति सम्मान कुछ ज्यादा ही है और कांग्रेस नेता राहुल गांधी द्वारा अंग्रेजों का नौकर बताने वाला बयान देना निश्चित ही महाराष्ट्र की जनता को उकसाने वाला ही था। कांग्रेस नेता संभवतः यही चाहते थे कि महाराष्ट्र में भारत जोड़ो यात्रा का विरोध हो और ठीकरा भाजपा-शिंदे सरकार पर फोड़ा जाए। लेकिन ऐसा लगता है कि कांग्रेस की यह राजनीतिक योजना पूरी तरह से असफल हो गई। भारत जोड़ो यात्रा के माध्यम से कांग्रेस जो सपना देख रही है, वैसा हर राजनीतिक दल को देखना भी चाहिए।

कांग्रेस द्वारा अपने सत्ता निर्वासन को समाप्त करने के लिए भारत जोड़ो यात्रा निकाली जा रही है। जो कांग्रेस की तड़पन को दूर करने के लिए अपरिहार्य भी है। लेकिन कभी कभी इस यात्रा के दौरान ऐसा भी लगने लगता है कि इस यात्रा का मूल उद्देश्य भारतीय समाज को जोड़ने के लिए नहीं, बल्कि समाज में बिखराव पैदा करना ही है। अगर यात्रा का उद्देश्य वास्तव में ही समाज को जोड़ने के लिए होता तो कांग्रेस नेता राहुल गांधी द्वारा कम से कम वीर सावरकर के बारे में अनुचित टिप्पणी करने से परहेज करते, लेकिन राहुल गांधी ने ऐसा नहीं किया। इसके पीछे कांग्रेस के कौन-से निहितार्थ हैं? यह कांग्रेस के नेता ही जानते होंगे, लेकिन इतना अवश्य है कि महाराष्ट्र में वीर सावरकर पर निशाना साधने के कुछ मायने हैं।

एक राजनीतिक विश्लेषक के तौर पर अध्ययन किया जाए तो यही कहा जा सकता है कि महाराष्ट्र में वीर सावरकर के प्रति सम्मान कुछ ज्यादा ही है और कांग्रेस नेता राहुल गांधी द्वारा अंग्रेजों का नौकर बताने वाला बयान देना निश्चित ही महाराष्ट्र की जनता को उकसाने वाला ही था। कांग्रेस नेता संभवतः यही चाहते थे कि महाराष्ट्र में भारत जोड़ो यात्रा का विरोध हो और ठीकरा भाजपा-शिंदे सरकार पर फोड़ा जाए। लेकिन ऐसा लगता है कि कांग्रेस की यह राजनीतिक योजना पूरी तरह से असफल हो गई। भारत जोड़ो यात्रा के माध्यम से कांग्रेस जो सपना देख रही है, वैसा हर राजनीतिक दल को देखना भी चाहिए। ऐसी यात्राओं के माध्यम से राजनीतिक दलों को जनता के बीच जाने का अवसर प्राप्त होता है

वास्तव में राजनीतिक दलों का मूल उद्देश्य भी यही होना चाहिए, लेकिन कांग्रेस की इस भारत जोड़ो यात्रा में राहुल गांधी जनता से सीधे जुड़ रहे हैं, ऐसा दिखाई नहीं देता। वह जनता के समक्ष कांग्रेस के विचार को स्थापित करने में असफल ही हो रहे हैं। उनकी यात्रा के मूल में कांग्रेस कम, भाजपा का विरोध ज्यादा दिखाई दे रहा है। कहा जाता है कि विरोध की राजनीति करने से नकारात्मक भाव प्रादुर्भूत होता है। इसके साथ ही यह भी एक बड़ा सच है कि सामने वाले का जितना विरोध करेंगे, उसका उतना ही प्रचार होता जाएगा। आज वास्तविकता यही है कि भाजपा को बड़ा बनाने में जितना परिश्रम स्वयं भाजपा का नहीं, उससे कहीं ज्यादा विरोधी दलों का है। क्योंकि वर्तमान विरोधी दलों का कोई भी कार्यक्रम भाजपा विरोध के बिना अधूरा ही है।

विपक्षी दल जब तक अपनी स्वयं की बात प्रभावी तरीके से नहीं रखेंगे, तब तक उनके स्वयं के विचार जनता तक नहीं पहुंच सकते। आज देश की राजनीति का स्तर केवल भाजपा समर्थन या भाजपा विरोध ही रह गया है। जहां तक राहुल गांधी द्वारा वीर सावरकर के बारे में टिप्पणी करने का मामला है तो इसमें यही कहा जाएगा कि उन्हें वीर सावरकर के जीवन के बारे में पूरी जानकारी नहीं है। आज इस बात को पूरा देश स्वीकारता है कि वीर सावरकर स्वतंत्रता संग्राम सेनानी हैं। उन्होंने अंग्रेजों की अमानवीय यातनाएं भोगीं। क्या कभी किसी ने सुना है कि किसी को दो जन्मों का आजीवन कारावास दिया गया हो, लेकिन वीर सावरकर के साथ अंग्रेज सरकार ने यही किया। राहुल गांधी को संभवतः वीर सावरकर जी के त्याग के बारे में कोई ज्ञान नहीं है।

राहुल गांधी सावरकर को क्या साबित करना चाहते हैं, यह तो वही जानें, लेकिन सवाल यह आता है कि जब अंग्रेजों ने ऐसी कठोर सजा दी, तब यह स्वाभाविक रूप से सिद्ध भी हो जाता है कि उन्होंने अंग्रेजों के विरुद्ध जन जागरण करते हुए एक वातावरण बनाने का काम किया। दूसरी महत्वपूर्ण बात यह भी है कि सावरकर जी ने अंग्रेजों से जो लड़ाई लड़ी, वह कांग्रेस (उस समय एक मंच था) के नेतृत्व में ही लड़ी गई। राहुल गांधी इस तथ्य को नकार नहीं सकते।

लेकिन यह भी प्रामाणिक तथ्य है कि उस समय जिन क्रांतिकारियों ने अपनी लेखनी के माध्यम से भारत में देश भक्ति का ज्वार पैदा करके अंग्रेजों को भगाने के लिए वातावरण बनाया, उनमें वीर सावरकर का नाम भी लिया जाता है। ऐसे सभी नायक आज इतिहास से गायब होते दिखाई दे रहे हैं। वीर सावरकर ने मां भारती की स्तुति में छह हजार कविताएं लिखीं, वह भी कागज पर नहीं, बल्कि सेल्युलर जेल की दीवारों पर। कलम से नहीं, कंकर, कील और कोयले से लिखी गईं।

इसलिए यह कहा जा सकता है कि वीर सावरकर का प्रत्येक कृत्य मां भारती के लिए ही समर्पित था। ये कविताएं कभी समाप्त न हों, इसलिए सावरकर ने इन्हें रट-रट कर कंठस्थ कर लिया था। सावरकर इस संसार के एक मात्र ऐसे रचनाकार हैं जिनकी पुस्तक '1857 का स्वातंत्र्य समर' को अंग्रेजों ने प्रकाशन से पहले ही प्रतिबंधित कर दिया था।

राहुल के इस बयान के बाद महाराष्ट्र की राजनीति भी गरमा गई है। महाराष्ट्र के पूर्व मुख्यमंत्री और शिवसेना के एक धड़े के प्रमुख उद्धव ठाकरे ने राहुल की टिप्पणी से पल्ला झाड़ लिया। उद्धव ने कहा कि उनकी पार्टी विनायक दामोदर सावरकर की बहुत इज्जत करती है।

हमारे मन में स्वतंत्र वीर सावरकर के लिए बहुत सम्मान और विश्वास है और इसे मिटाया नहीं जा सकता। इतना ही नहीं पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी ने भी सावरकर को महान स्वतंत्रता सेनानी बताया था। कांग्रेस नेता राहुल गांधी के इस अपरिपक्व बयान के बाद महाराष्ट्र की राजनीति में दरार पैदा होने लगी है। हालांकि दरार तो पहले से ही थी, क्योंकि कांग्रेस और शिवसेना नदी के ऐसे दो किनारे हैं जो एक दूसरे से दूर रहकर भी साथ-साथ होने का दिखावा करते हैं। इस प्रकार की राजनीति से राजनीतिक दल अपने सिद्धांतों की बलि ही चढ़ाते हैं। कुल मिलाकर राहुल गांधी को ऐसे बयान देने से बचना चाहिए। यह कांग्रेस के लिए समय की मांग है।

जीएम सरसों : जरूरत या मुसीबत?

वर्ष 2002 में बॉयर (एक दिवेशी कम्पनी) की एक सहायक कंपनी 'प्रोएग्रो सीड कंपनी' ने इसी प्रकार की किस्म, जिसे डीएमएच-11 कहा जा रहा है, की अनुमति हेतु आवेदन किया था, जिसे आईसीएआर यानी भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान ने यह कह कर मना कर दिया था कि इससे बेहतर उत्पादकता मिलने का कोई प्रमाण नहीं है। वास्तव में डीएमएच-11 किस्म बारनेस और बारस्टार नाम के दो जींस को जोडक़र बनाई गई है और ये जीन्स बॉयर क्रॉप साईंस द्वारा पेटेंट की गई है। ऐसे में इस तथ्य को छुपाया गया है और भविष्य में बॉयर कंपनी अपने बौद्धिक संदपा अधिकारों की एवज में भुगतान मांग सकती है और भारत के किसान को उसकी कीमत चुकानी पड़ेगी।

अक्तूबर 18, 2022 को भारत सरकार के पर्यावरण एवं वन मंत्रालय की एक समिति जैनेटिक इंजीनियरिंग अप्रैजल कमेटी यानी जीईएसी ने जीएम सरसों की एक किस्म डीएमएच-11 को एक बार फिर से किसानों के खेतों में लगाने की सिफारिश की है। गौरतलब है कि इससे पहले मई 2017 में भी जीईएसी ने इसी किस्म को अपनी हरी झंडी दी थी। लेकिन इसका किसानों और वैज्ञानिकों द्वारा भारी विरोध होने के कारण सरकार ने जीईएसी की सिफारिशों को मानने से मना कर दिया था। लेकिन 18 अक्तूबर 2022 की बैठक में जीईएसी ने पुनः इसकी सिफारिश कर दी है। यह बताया जा रहा है कि यह किस्म प्रो. दीपक पेंटल द्वारा देश में ही विकसित की गई है और पूर्णतया स्वदेशी है। यह भी दावा किया जा रहा है कि यह जीएम सरसों 26 प्रतिशत अधिक उपज देगी। यह भी बताया जा रहा है कि देश में खाद्य तेलों का उत्पादन कम है, जिसके कारण देश की बहुमूल्य विदेशी मुद्रा की हानि हो रही है। यह भी कहा जा रहा है कि जीएम सरसों उपभोक्ताओं, किसानों और पर्यावरण के लिए सुरक्षित है। लेकिन जीईएसी के इन दावों की सच्चाई कितनी है, वह इस बात से स्पष्ट हो रही है कि स्वयं जीईएसी ने जीएम सरसों को अनुमति देते हुए कुछ ऐसी शर्तें लगाई हैं, जो इस बात को साबित करती हैं कि जीईएसी के पास इस बीज के सुरक्षित होने के कोई प्रमाण नहीं हैं और वह शर्तें लगाकर इससे होने वाले दुष्प्रभावों के आरोप से बचना चाहती है, कि भविष्य में वो कह सके कि हमने जीएम सरसों को कुछ शर्तों के साथ ही अनुमति दी थी और चूंकि उन शर्तों का पालन नहीं हुआ इसलिए उनका कोई दोष नहीं है। गौरतलब है कि जो शर्तें लगाई गई हैं उनका अनुपालन करना सरकार के बस की बात नहीं है।

यह किस्म नहीं है स्वदेशी : जीईएसी के इस दावे में सत्यता नहीं है कि डीएमएच-11 एक स्वदेशी खोज है। वर्ष 2002 में बॉयर (एक विदेशी कम्पनी) की एक सहायक कंपनी 'प्रोएग्रो सीड कंपनी' ने इसी प्रकार की किस्म, जिसे डीएमएच-11 कहा जा रहा है, की अनुमति हेतु आवेदन किया था, जिसे आईसीएआर यानी भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान ने यह कह कर मना कर दिया था कि इससे बेहतर उत्पादकता मिलने का कोई प्रमाण नहीं है। वास्तव में डीएमएच-11 किस्म बारनेस और बारस्टार नाम के दो जींस को जोडक़र बनाई गई है और ये जीन्स बॉयर क्रॉप साईंस द्वारा पेटेंट की गई है। ऐसे में इस तथ्य को छुपाया गया है और भविष्य में बॉयर कंपनी अपने बौद्धिक संपदा अधिकारों की एवज में भुगतान मांग सकती है और भारत के किसान को उसकी कीमत चुकानी पड़ेगी।

ऊंची उत्पादकता का गलत दावा : गौरतलब है कि डीएमएच-11 के बारे में जीईएसी का ज्यादा उत्पादकता का दावा सही नहीं है, क्योंकि भारत के सरसों एवं रेपसीड शोध संस्थान का कहना है कि देश में डीएमएच-11 से कम से कम 25 प्रतिशत से ज्यादा उत्पादकता देने वाली किस्में पहले से ही विकसित की जा चुकी हैं। आज आवश्यकता इस बात की है कि सरकार उन किस्मों को बढ़ावा दे।

खतरनाक है जीएम सरसों : खेद का विषय यह है कि केवल इस प्रौद्योगिकी के विदेशी मूल को ही नहीं छुपाया गया, बल्कि यह तथ्य भी छुपाया गया कि जीएम सरसों हर्बीसाईड टोलरेंट भी है यानि शाकनाशी सहिष्णु भी है। गौरतलब है कि डीएमएच-11 का ट्रायल करते हुए उसकी इस विशेषता के बारे में कोई टेस्ट नहीं किया गया। इस बात को जानने वाले सतर्क नागरिकों एवं विशेषज्ञों द्वारा सच्चाई को सामने लाए जाने के कारण अब जीईएसी ने एक नया रास्ता खोजा है कि अनुमति के साथ-साथ यह शर्त लगाई गई है कि किसी भी हालत में किसानों द्वारा किसी शाकनाशी का उपयोग नहीं किया जाएगा। अब चूंकि यह किस्म ही शाकनाशी सहिष्णु है, स्वाभाविक तौर पर शाकनाशियों की पर्याप्त उपलब्धता होने के कारण कोई सरकारी एजेंसी किसानों को इसके बारे में रोक नहीं सकती। इस संबंध में एक समानांतर उदाहरण हमारे सामने है कि ग्लाइफोसेट नाम के शाकनाशी का उपयोग हालांकि केवल चाय बागानों और गैर कृषि क्षेत्रों में ही हो सकता है, लेकिन उसके बावजूद देशभर में यह शाकनाशी धड़ल्ले से बिकता है और भारत में उसकी कुल बिक्री 1200 करोड़ रुपए से ज्यादा है। समझा जा सकता है कि जीईएसी का यह कृत्य वास्तव में अनैतिक है। गौरतलब है कि कई प्रकार के शाकनाशकों के दुष्परिणामों से दुनिया जूझ रही है। इन शाकनाशकों के कारण अमरीका और अन्य मुल्कों जहां इस प्रकार की किस्मों का इस्तेमाल हो रहा है, में कैंसर का प्रकोप बढ़ता जा रहा है और इन शाकनाशकों की निर्माता कंपनियों पर मुकदमें भी लगातार बढ़ रहे हैं। गौरतलब है कि सिर्फ ग्लाइफोसेट/राउंडअप बनाने वाली कंपनी बॉयर के खिलाफ अमरीका में कैंसर पीड़ितों द्वारा 1 लाख 40 हजार मुकदमे दर्ज किए गए हैं। इस प्रकार से यह समझते हुए भी कि शाकनाशी सहिष्णु क़िस्म का सही मूल्यांकन नहीं किया गया है, यह वैज्ञानिक धोखा है और जनता के स्वास्थ्य के साथ खिलवाड़ भी है।

भारतीय सरसों है आयुर्वेद में वरदान : कई आयुर्वेदिक औषधियों में भारतीय सरसों एक वरदान के रूप में इस्तेमाल की जाती है। इसकी खुशबू एवं स्वाद ही इसकी विशेषताएं हैं। जानकार बताते हैं कि डीएमएच-11 में न तो खुशबू होगी और न ही स्वाद यानी इसमें औषधीय गुण होने का सवाल ही नहीं है। यही नहीं स्वाद की दृष्टि से देश में सरसों का साग पूरी दुनिया को आकर्षित करता है। शाकनाशी सहिष्णु का उपयोग करते हुए जब डीएमएच-11 भारत की सरसों के बदले में उगाई जाएगी, तो देश में केवल सरसों का साग ही विलुप्त नहीं होगा, बल्कि सरसों के साग के साथ उगने वाले अन्य साग जैसे बथुआ और पालक भी गायब हो जाएंगे। गौरतलब है कि ये साग लगभग मुफ्त में हमारी महिलाओं द्वारा खेतों से निकाले जाते हैं और वे भारत की महिलाओं के लिए आयरन का एक प्रमुख स्रोत हैं। इनके समाप्त होने से देश में एनीमिया की समस्या और ज्यादा बढ़ सकती है।

निर्यात पर भी पड़ेगा बुरा असर : एक तरफ जहां यह कहा जा रहा है कि इस किस्म के लगाने से देश में खाद्य तेलों का आयात कम हो जाएगा, जिसकी संभावना बिल्कुल नहीं है, बल्कि इस किस्म के आने से देश में शाकनाशकों का आयात जरूर बढ़ सकता है। लेकिन सबसे ज्यादा मुसीबत की बात यह है कि देश में खाद्य पदार्थों में जीएम आने के बाद देश के खाद्य निर्यातों पर भारी प्रतिकूल असर पड़ सकता है। गौरतलब है कि अभी तक अपने देश में खाद्य पदार्थों में जीएम को अनुमति नहीं दी गई है। देश में सभी उत्पादित खाद्य पदार्थ गैर-जीएम हैं। देश के खाद्य निर्यात में गैर-जीएम का यह टैग यूरोप समेत कई मुल्कों में हमारे खाद्य पदार्थों की स्वीकार्यता को बढ़ाता है। खतरा यह है कि जैसे ही गैर-जीएम का यह टैग भारत के निर्यातों से हट जाएगा, भारत के निर्यात बड़ी मात्रा में बाधित हो जाएंगे, क्योंकि यूरोप और अन्य कई देश उन्हीं देशों से खरीदना चाहते हैं।

देश दुनिया से

अदालत का सवाल सही है, आखिर 72 साल में भी चुनाव आयुक्तों की नियुक्ति का कानून क्यों नहीं बना?

भारत में चुनाव सुधारों पर लंबे समय से बहस चलती रही है लेकिन यह सुधार इसलिए नहीं हो पाये क्योंकि जिस संस्था पर चुनाव कराने की जिम्मेदारी है उसे कभी ज्यादा अधिकार दिये ही नहीं गये। यही नहीं, हर सरकार द्वारा अधिकारियों को चुनाव आयुक्त जैसे महत्वपूर्ण पद पर उस समय नियुक्त किया जाता है जब उसकी सेवानिवृत्ति का समय नजदीक हो। इसके चलते किसी भी चुनाव आयुक्त को अपनी योजनाओं को मूर्त रूप देने के लिए पर्याप्त समय ही नहीं मिल पाता। देखा जाये तो भारत में चुनाव सुधार से जुड़े मुद्दे चुनावों से पहले उठते जरूर हैं लेकिन चुनाव बाद सबकुछ शांत हो जाता है। यह भी देखने को मिलता है जब कोई दल विपक्ष में होता है तो उसे चुनाव सुधारों की बहुत परवाह रहती है लेकिन सत्ता में आते ही उसके लिये यह फिजूल का मुद्दा हो जाता है या उसकी प्राथमिकता सूची से गायब हो जाता है। लेकिन अब देश के सर्वोच्च न्यायालय ने इस मुद्दे को उठाया है इसलिए उम्मीद की जानी चाहिए कि सरकार अब चुनाव सुधारों की दिशा में आगे बढ़ेगी। सुधारों की बात की जाये तो सबसे बड़ा सुधार तो पहले चुनाव आयोग में ही करना होगा क्योंकि साल 2004 से किसी मुख्य निर्वाचन आयुक्त ने छह साल का कार्यकाल पूरा नहीं किया है। संप्रग सरकार के 10 साल के शासन में छह मुख्य निर्वाचन आयुक्त रहे, वहीं राजग सरकार के आठ साल में आठ मुख्य निर्वाचन आयुक्त रहे हैं। इसलिए सरकारों की कार्यशैली और सोच पर अदालत ने सवाल उठाया है। अदालत ने सरकारों की ओर से निर्वाचन आयुक्तों और मुख्य निर्वाचन आयुक्तों की नियुक्ति के लिए कोई कानून नहीं होने का फायदा उठाये जाने की प्रवृत्ति को तकलीफदेह करार दिया है।

संप्रग सरकार के 10 साल के शासन में छह मुख्य निर्वाचन आयुक्त रहे, वहीं राजग सरकार के आठ साल में आठ मुख्य निर्वाचन आयुक्त रहे हैं। इसलिए सरकारों की कार्यशैली और सोच पर अदालत ने सवाल उठाया है। अदालत ने सरकारों की ओर से निर्वाचन आयुक्तों और मुख्य निर्वाचन आयुक्तों की नियुक्ति के लिए कोई कानून नहीं होने का फायदा उठाये जाने की प्रवृत्ति को तकलीफदेह करार दिया है। साथ ही अदालत ने संविधान के अनुच्छेद 324 का उल्लेख करते हुए कहा है कि निर्वाचन आयुक्तों की नियुक्ति के संबंध में संसद द्वारा एक कानून बनाने की परिकल्पना की गयी थी, लेकिन 72 साल गुजर गये और अब तक कानून नहीं बन पाया है जिसका फायदा सभी दलों की केंद्र सरकारें उठाती रही हैं।

साथ ही अदालत ने संविधान के अनुच्छेद 324 का उल्लेख करते हुए कहा है कि निर्वाचन आयुक्तों की नियुक्ति के संबंध में संसद द्वारा एक कानून बनाने की परिकल्पना की गयी थी, लेकिन 72 साल गुजर गये और अब तक कानून नहीं बन पाया है जिसका फायदा सभी दलों की केंद्र सरकारें उठाती रही हैं। इसके अलावा, पांच सदस्यीय संविधान पीठ का यह कहना भी अपने आप में बहुत गंभीर है कि संविधान की चुप्पी को भुनाया जा रहा है। अदालत ने टीएन शेषन जैसे कड़े रुख वाले व्यक्ति की निर्वाचन आयुक्त पद पर नियुक्ति की वकालत करते हुए यह भी कहा है कि संविधान ने मुख्य निर्वाचन आयुक्त और दो निर्वाचन आयुक्तों के 'नाजुक कंधों' पर बहुत जिम्मेदारियां सौंपी हैं इसलिए मुख्य चुनाव आयुक्त के तौर पर टीएन शेषन की तरह के सुदृढ़ चरित्र वाले व्यक्ति होने चाहिए। जहां तक यह सवाल है कि अदालत ने चुनाव आयुक्तों की नियुक्ति मामले पर टिप्पणी क्यों की? तो हम आपको बता दें कि शीर्ष अदालत की संविधान पीठ कुछ याचिकाओं पर सुनवाई कर रही है जिसमें मुख्य निर्वाचन आयुक्त की नियुक्ति के लिए कॉलेजियम जैसी प्रणाली की मांग की गयी है। कहा जा रहा है कि यदि इस कॉलेजियम प्रणाली में देश के मुख्य न्यायाधीश भी शामिल हों तो सरकार पर कुछ अंकुश लग सकता है। जहां तक इस मुद्दे पर सरकार के पक्ष की बात है तो आपको बता दें कि केंद्र की ओर से प्रस्तुत हुए अटॉर्नी जनरल आर. वेंकटरमानी ने दलील दी है कि ''संविधान सभा, जिसके समक्ष विभिन्न मॉडल थे, उसने इस मॉडल को अपनाया था और अब अदालत यह नहीं कह सकती कि मौजूदा मॉडल पर विचार करने की जरूरत है।'' बहरहाल, यह भी एक तथ्य है कि 1990 से विभिन्न वर्गों से निर्वाचन आयुक्तों समेत संवैधानिक निकायों के लिए कॉलेजियम जैसी प्रणाली की मांग उठती रही है और एक बार भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता लालकृष्ण आडवाणी ने भी अदालत को इसके लिए पत्र लिखा था। देखना होगा कि अब इस मुद्दे पर मोदी सरकार कितना आगे बढ़ती है। हालांकि सही यही होगा कि अदालत कोई आदेश पारित कर सरकार को निर्वाचन आयुक्तों की नियुक्ति संबंधी कोई कानून बनाने के लिए कहे। वरना सरकारें आती जाती रहेंगी और छोटे-छोटे कार्यकालों के साथ निर्वाचन आयुक्त भी आते जाते रहेंगे और चुनाव सुधार दिवास्वप्न बने रहेंगे।

अमृत कलश

व्यावहारिक जीवन की चाणक्य नीति

"चाणक्यनीतिदर्पण" ग्रंथ के सातवें अध्याय में २१ छंद हैं और उनमें व्यावहारिक जीवन में कब कैसे समाज के समक्ष व्यवहार करना उचित एवं उपयोगी होगा यह बताया गया है। उनमें से ४ छंदों का उल्लेख मैं यहां पर कर रहा हूं। ये मुझे खास तौर पर दिलचस्प एवं विचारणीय लगे। ये हैंः अर्थनाशं मनस्तापं गृहे दुश्चरितानि च । वञ्चनं चापमानं च मतिमान्न प्रकाशयेत ॥ इस श्लोक का निहितार्थ यह है कि सामान्य जीवन में व्यक्ति तमाम प्रकार के खट्टे-मीठे अनुभव पाता है। उनका उल्लेख दूसरों के समक्ष करने लिये वह अक्सर उत्साहित हो उठता है। जहां तक सुखद अनुभवों की बात है दूसरों को बताने से नुकसान की संभावना नहीं रहती है या कम रहती है। लेकिन कड़वे अनुभवों और परेशानियों के बारे में ऐसा कहना ठीक नहीं होगा। यह संभव है कुछ गिने-चुने लोग व्यक्ति के प्रति सहानुभूति रखें और आवश्यकतानुसार उपयोगी सलाह एवं सहायता भी दें। किंतु ऐसी उदार वृत्ति कम लोगों में ही देखने को मिलती है। कई ऐसे लोग होते हैं जो व्यक्ति की बातों का मन ही मन आनंद लेते हैं, उसकी पीठ पीछे जग-हंसाई करने/कराने से नहीं चूकते। मेरे जीवन का अनुभव यही रहा है कि ऐसे जनों के मन की कुटिलता भांपना आसान नहीं होता। इन्हीं बातों को ध्यान में रखते हुए चाणक्य का मत है कि धन की हानि, अनिष्ट घटनाओं से प्राप्त मानसिक कष्ट, घर-परिवार में दुःखद किंतु गोपनीय घटनाएं, ठगे जाने, और अपमानिन होने की बातों का खुलासा बुद्धिमान व्यक्ति न करे। उन्हें अपने मन ही तक सीमित रखे। शकटं पञ्चहस्तेन दशहस्तेन वाजिनम् ॥ गजं हस्तसहस्रेण देशत्यागेन दुर्जनम् ॥ इस श्लोक के माध्यम से चाणक्य दुर्जनों के सान्निध्य से दूर रहने की सलाह देते हैं। वे कहते हैं गाड़ी से पांच हाथ की दूरी बनाये रखना चाहिए। घोड़े से दस हाथ और हाथी से हजार हाथ की दूरी रखनी चाहिए।

बोध कथा

सम्भव कुछ भी नहीं

एक बार की बात है किसी राज्य में एक राजा राज करते थे। उनके दो पुत्र थे – अवधेश और विक्रम। एक बार दोनों राजकुमार जंगल में शिकार करने गये। रास्ते में एक विशाल नदी थी। दोनों राजकुमारों का मन हुआ कि क्यों ना नदी में नहाया जाये। यही सोचकर दोनों राजकुमार नदी में नहाने चल दिये। लेकिन नदी उनकी अपेक्षा से कहीं ज्यादा गहरी थी। विक्रम तैरते तैरते थोड़ा दूर निकल गया, अभी थोड़ा तैरना शुरू ही किया था कि एक तेज लहर आई और विक्रम को दूर तक अपने साथ ले गयी। विक्रम डर से अपनी सुध बुध खो बैठा गहरे पानी में उससे तैरा नहीं जा रहा था अब वो डूबने लगा था। अपने भाई को बुरी तरह फँसा देख के अवधेश जल्दी से नदी से बाहर निकला और एक लकड़ी का बड़ा लट्ठा लिया और अपने भाई विक्रम की ओर उछाला। लेकिन दुर्भागयवश विक्रम इतना दूर था कि लकड़ी का लट्ठा उसके हाथ में नहीं आ पा रहा था। इतने में सैनिक वहां पहुँचे और राजकुमार को देखकर सब यही बोलने लगे, "अब ये नहीं बच पायेंगे, यहाँ से निकलना नामुनकिन है।" यहाँ तक कि अवधेश को भी ये अहसास हो चुका था कि अब विक्रम नहीं बच सकता, तेज बहाव में बचना नामुनकिन है, यही सोचकर सबने हथियार डाल दिये। अभी सभी लोग किनारे पर बैठ कर विक्रम का शोक मना रहे थे कि दूर से एक सन्यासी आते हुए नजर आये उनके साथ एक नौजवान भी था। थोड़ा पास आये तो पता चला वो नौजवान विक्रम ही था। अब तो सारे लोग खुश हो गये लेकिन हैरानी से वो सब लोग विक्रम से पूछने लगे कि तुम तेज बहाव से बचे कैसे? सन्यासी ने कहा कि आपके इस सवाल का जवाब मैं देता हूँ, " ये बालक तेज बहाव से इसलिए बाहर निकल आया क्योंकि इसे वहां कोई ये कहने वाला नहीं था कि यहाँ से निकलना नामुनकिन है।

नागरिक बोध

पीएम मोदी की सभा मे उमडा जनसैलाब,भाजपा को गुजरात मे फिर से जीत की उम्मीद

गुजरात मे विधानसभा में चुनाव की बाजी किसके हाथ होगी। यह कहना जल्दबाजी होगी। मोदी ने सोमनाथ मंदिर में जलाभिषेक किया। मोदी वेरावल सौराष्ट्र से सद्भावना पहुँचकर लोगो को संबोधित किया। मोदी ने आग्रह किया कि पोलिंग बूथ पर सारे रेकॉर्ड तोड़ देना है। चुनावी पोल और न्यूज चैनलों की गणित बता रही है कि फिर से गुजरात मे भाजपा का गढ़ बनेगा। मोदी ने भागदौड़ करने की वजह बताते हुए कहा कि यह मेरा कर्तव्य है और आपको वोट देकर कर्तव्य निभाना है। मोदी पांच साल के बाद सोमनाथ पहुंचे।मोदी ने गुजरात की चमकदार हैसियत पर चुटकी लेते हुए कहा कि गुजरात मे मीठे पानी की भी तकलीफ थी। पहले की सरकारों पर निशाना साधते हुए कहा कि भाजपा के कार्यकाल में विकास हुआ है। गत दिन 11 किमी की यात्रा के बाद आज सौराष्ट्र में चार सभाएं की गई। मोदी की एनर्जी की दाद देते हुए लोग दांतो तले उंगलियां चबाने लगे। यह एनर्जी भारत को सशक्त बनाने के काफी है। कांग्रेस,भाजपा और मीडिया भी केजरीवाल की उपस्थिति को नजरअंदाज कर रहे है। यह दौड़ केजरीवाल के लिए काफी तनावपूर्ण है। गुजरात प्रदेश की जातीय समीकरण के जटिलताओं के कारण कांग्रेस और आम आदमी पार्टी चुनावी तस्वीर को त्रिकोणात्मक बना रहे है। इस बार आम और खास मतदाताओं के बीच जाति धर्म और स्थानीय मुद्दो के अलावा केंद्र और राज्य सरकार का काम बोल रहा है। कांग्रेस और केजरीवाल की कसौटी होगी। भाजपा पर जनता विचार विमर्श करती दिख रही है। कांग्रेस के शासन में जनता ठगी महसूस कर रही थी। इस बार चुनावी ताना बाना बड़े नेताओ के करिश्माई के इर्द गिर्द नही,बल्कि विकास के वर्चस्व पर है।मोदीका मैजिक और मुख्यमंत्री भूपेंद्र भाई पटेल की कार्यशैली से आम जनता खुश है। कांग्रेस के कुशासन का शिकार गुजरात रहा है। मोदी की लहर के दीवाने मतदाता फिर अन्य पार्टी से जुड़ने में विश्वास नही करते है। भाजपा की जीत का फिर से डंका बजने की बात पर गुजरात मे समीकरण बदल गए है। केजरीवाल और कांग्रेस घर घर कैम्पेन चलाए जाने की मुहिम को गतिमान किया जा रहा है। मोदी ने गुजरात की सभाओं में किसी पार्टी का नाम लिए बिना कहा था कि गुजरात को बदनाम करने के लिए तैयार है। आप किसी के बहकावे में नही आना है। कांग्रेस और आप की इस बार अग्निपरीक्षा से गुजरना पड़ेगा। सौराष्ट्र की धरती पर जनसैलाब को देखकर सभी आश्चर्य चकित रह गए थे। मोदी ने कहा कि गुजरात को फिर से रिवर्स गियर में डालने की कोशिश की जा रही है। इनसे बच कर रहना है।27 सालो से कांग्रेस विपक्ष में बैठी है। उधर आप कार्यकर्ताओ के बीच घमासान शुरू हो गया है। ये भी जानते है कि मोदी को हरा पाना हमारी ताकत नही है। विपक्ष भी चाहता है कि मोदी प्रधानमंत्री सही है। लेकिन इनकी कोई मजबूरी हो सकती है। मोदी की बढ़ती लोकप्रियता का फायदा भाजपा को मिल रहा है। यह भाजपा के लिए सुनहरा अवसर है कि मोदी की साख भाजपा के जमीनी स्तर से जुड़े नेताओ और कार्यकर्ताओं के लिए सुपर पॉवर का काम कर रही है।

आर एन आई (टी सी) नं- JHAHIN01027,स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक डॉ सिकन्दर कुमार द्वारा माँ भवानी आर्ट भागलपुर रोड नीयर सिनेमा हॉल दुधानी दुमका से मुद्रित एवं झारखण्ड देखो कार्यालय मजिस्ट्रेट कॉलोनी बंदरजोरी, दुमका से प्रकाशित,
प्रधान संपादक डॉ सिकन्दर कुमार, मोबाइल नं-9955599136(इस अंक में प्रकाशित समाचारों का चयन एवं संपादन के लिए पीआरबी एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी)

चेहरे का जोगरफिया सुधारता फ्रैक्शमल लेसर ट्रीटमेंट

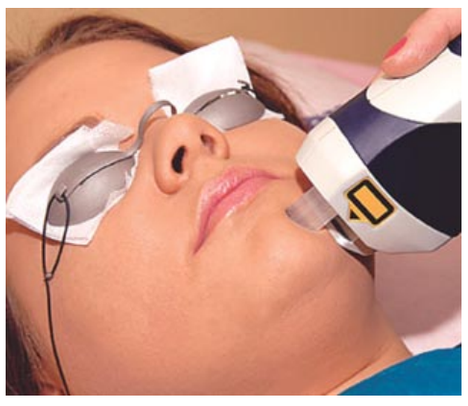

त्वचा संबंधी कई सारी तकलीफों में सबसे ऊपर है कील-मुँहासों तथा दाग-धब्बों की परेशानी। युवावस्था में बदलते हारमोनों के कारण अक्सर कील-मुँहासों का सामना त्वचा को करना पड़ता है लेकिन समय के साथ ये परेशानी स्वत: ही खत्म हो जाती है। मुश्किल तब होती है जब या तो अनजाने में आप इनसे निजात पाने के लिए इसे बेरहमी से नोच डालते हैं और पीछे रह जाते हैं कुछ अमिट से निशान या कभी सक्रमण ही इतना खतरनाक होता है कि गहरे निशान बना देता है।

इसके अलावा किसी दुर्घटना में चोट लगने या किसी दवाई का रिएक्शन होने पर भी आपकी त्वचा पर दाग-धब्बे या निशान बाकी रह जाते हैं। फ्रैक्शानल लेसर ट्रीटमेंट ऐसे लोगों के लिए दाग-धब्बों से निजात पाने की कारगर तरकीब है। इसमें लेसर बीम को प्रभावित त्वचा पर डाला जाता है और परत-दर-परत त्वचा को सुधारा जाता है तथा प्रभावित त्वचा को हटाकर नई त्वचा को उसकी जगह दे दी जाती है।

अधिकांशत: सूरज की किरणों से त्वचा को होने वाली हानि, झुर्रियों, त्वचा पर बनती उम्र की रेखाओं, स्ट्रेच मार्क, दाग-धब्बों, कील-मुँहासों आदि के संदर्भ में इसका प्रयोग किया जाता है। वैसे तो इस ट्रीटमेंट को पूरे शरीर की त्वचा पर उपयोग किया जा सकता है लेकिन मुख्यतौर पर गर्दन, हाथ तथा शरीर के ऊपरी हिस्से में इनका प्रयोग सबसे असरकारक पाया गया है।

आजकल चेहरे की त्वचा संबंधी सामान्य तकलीफों में भी इसका उपयोग बड़े पैमाने पर किया जा रहा है। इस तरह के ट्रीटमेंट में कुछ मिनट से लेकर कुछ घंटे तक लग सकते हैं। यह इस बात पर निर्भर करता है कि ट्रीटमेंट का एरिया कितना है।

इसी बात पर ट्रीटमेंट की कॉस्ट भी डिपेंड करती है, जो कि कुछ हजार से लेकर लाखों रुपए तक हो सकती है। इस तरह के ट्रीटमेंट में ट्रीटमेंट करवाने के बाद त्वचा की सही देखभाल करना और डॉक्टर द्वारा दिए गए निर्देशों का पालन करना आवश्यक है, क्योंकि जरा सी भी लापरवाही सूजन, दर्द तथा अन्य परेशानियों को भी जन्म दे सकती है। इसके अलावा इस तकनीक के भी साइड इफेक्ट हो सकते हैं। इसलिए जब भी इसका उपयोग करने जाएँ, विशेषज्ञ की सेवाओं के अलावा सही परामर्श तथा जानकारी लेने का पूरा ध्यान रखें।

सर्दियों के खुशनुमा मौसम का स्वागत है

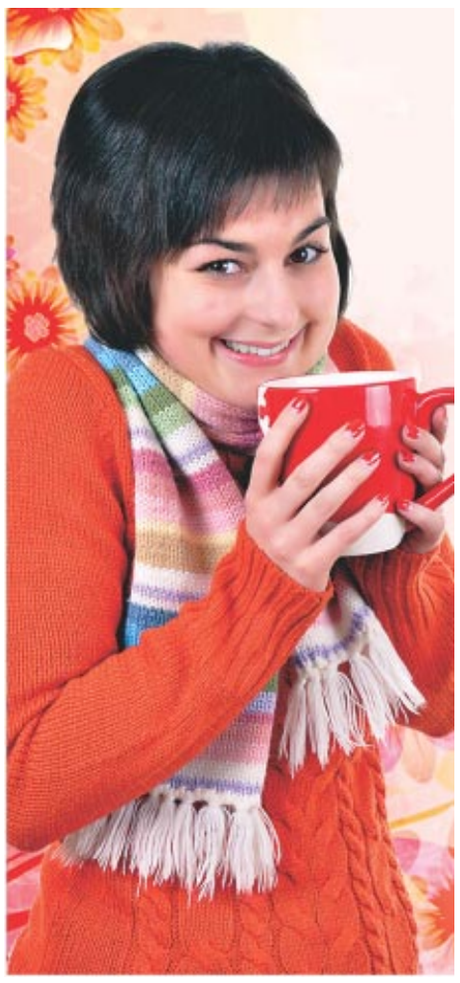

- अगर आप सुबह सैर के लिए निकलते हैं तो आधा-एक घंटा देर से जाना शुरू करें, ताकि सवेरे की ठंड से बचाव हो सके। हल्की-हल्की गुनगुनी धूप में जाएँ तो भी कोई हर्ज नहीं है। विटामिन-डी का सेवन भी हो जाएगा।
- घास पर सीधे या फर्श पर नंगे पैर न घूमें।
- अगर आपके बाल गीले हैं तो उन्हें सुखाने के बाद ही टू-व्हीलर पर निकलें।
- अलसुबह गर्म पानी जरूर पीएँ।
- नहाने के लिए ठंडा पानी न लें। गर्म पानी से स्नान करें।
- ठंडी हवा सीधे कान में न जाने पाएँ, मफलर स्कार्फ आदि से खुद को बचाएँ। सिर और छाती भी ढँकी होना चाहिए।
- गर्म तासीर वाली चीजों का इस्तेमाल बढ़ा दें। जैसे गर्म मसाले, अजवाइन, लौंग, जीरा, मैथीदाना, बड़ी इलायची आदि का काढ़ा बनाकर भी पिया जा सकता है।
- सुबह शाम अदरक वाली चाय भी फायदेमंद होती है।
- ठंडी और फ्रिज से निकली चीजों को न खाएँ तो ज्यादा अच्छा होगा।
- खट्टी चीजें जैसे दही और नींबू के साथ ही चावल, पोहे, दूध और देशी घी जैसी चीजों से कफ भी हो सकता है।
- इस मौसम में इस्तेमाल करने के लिए नारियल तेल की जगह सरसों का तेल ज्यादा उपयुक्त है। सारे गर्म

सर्दियों का खुशनुमा मौसम आ गया है। कुछ लोगों को बदलते मौसम के साथ एडजस्ट होने में समय लगता है। विशेषकर बुजुर्गों, बच्चों और कमजोर इम्यूनिटी वाले लोगों को। उन्हें इस दौरान एहतियात बरतने की जरूरत होती है। जहाँ थोड़ी लापरवाही हुई नहीं कि सर्दी-जुकाम, कफ आदि की समस्याएँ मुँहबाए खड़ी हो जाती हैं। जिन लोगों को साइनस, एलर्जी, ब्रोंकाइटिस, अस्थमा जैसे रोग होते हैं, उन्हें सावधानीपूर्वक खाने-पीने में परहेज बरतना चाहिए। उन्हें कफवर्धक चीजों का इस्तेमाल नहीं करना चाहिए। नीचे लिखी सावधानियों पर अमल कर आप सर्दियों की तकलीफों से खुद को बचा सकते हैं।

मसाले सर्दियों में किसी वरदान से कम नहीं होते हैं। एक तो इनके इस्तेमाल से शरीर को पर्याप्त गर्मी मिलती है और यदि किसी वजह से सर्दी हो जाए तो ये शरीर पर जादुई असर पैदा करते हैं। ये शरीर की रोग प्रतिरोधक क्षमता को बढ़ाने में भी अहम भूमिका निभाते हैं।

कितना व्यवस्थित है आपका घर

कुछ दिनों पहले एक रिश्तेदार के यहाँ जाना हुआ। दोपहर का वक्त था। दरवाजे पर दस्तक देने पर भाभीजी ने दरवाजा खोला और बड़े ही संकोच के साथ कहा, 'भीतर आइए'। हम भीतर गए लेकिन ड्राइंग रूम इतना अव्यवस्थित था कि बैठने के लिए जगह तलाशना मुश्किल था। हमें पसोपेश में देखकर उन्होंने कुर्सियों को व्यवस्थित किया। तब कहीं जाकर हम बैठ सके। **ऐसा** ही एक सहेली के घर जाने पर हुआ। मैं उसके घर निमंत्रण पत्र देने गई। वह अपने बेडरूम में बैठी टीवी देख रही थी, सो हम भी वहाँ पहुँच गए। उसका बेडरूम किसी कबाड़खाने से कम नहीं लग रहा था। शायद वह हमारी निगाहें ताड़ गईं और सफाई देते हुए बोली, 'घर छोटा है और सामान ज्यादा है इसलिए बेडरूम में ही सारा सामान रखना पड़ता है'। वैशाली के रिश्ते की बात चल रही थी। एक दिन अचानक लड़के वाले उसे देखने आ गए। पूरा घर बिखरा पड़ा था। एक भी चीज या सामान अपनी जगह पर व्यवस्थित नहीं था। लड़के वालों को यह पसंद नहीं आया। उन्हें यह स्थिति नागवार गुजरी। उन्होंने सोचा कि ऐसी लड़की लाने से क्या लाभ, जो अपना घर भी व्यवस्थित नहीं रख सकती। नतीजतन मामला वहीं समाप्त हो गया। आपका घर चाहे कितना ही महँगा और सुंदर बना हो, लेकिन यदि आप उसे साफ-सुथरा व्यवस्थित नहीं रखते हो तो वह सुंदर नहीं लगेगा। घर छोटा होने पर भी यदि आप सही ढंग से रखें तो वह अच्छा भी लगेगा और आपके लिए सुविधापूर्ण भी रहेगा। घर आने वाले मेहमान भी व्यवस्थित घर देखकर आपकी प्रशंसा किए बिना नहीं रहेंगे। नियत स्थान पर सामान रखने से आपको उसे ढूँढने में आसानी होगी साथ ही व्यवस्थित घर देखने वालों को भी अच्छा लगेगा। घर को साफ-सुथरा और व्यवस्थित रखने की जिम्मेदारी परिवार के हर सदस्य की जिम्मेदारी है अत: परिवार के सभी सदस्य इसमें सहयोग करें।

आपका घर चाहे कितना ही महँगा और सुंदर बना हो, लेकिन यदि आप उसे साफ-सुथरा व्यवस्थित नहीं रखते हो तो वह सुंदर नहीं लगेगा। घर छोटा होने पर भी यदि आप सही ढंग से रखें तो वह अच्छा भी लगेगा।

हेल्थ प्लस

अपने बच्चों की खातिर धूम्रपान छोड़ दें

सैकेंड हैंड स्मोक (अप्रत्यक्ष या किसी अन्य वस्तु या किसी और माध्यम से आने वाला धुआं)हर उस व्यक्ति के लिए अत्यधिक खतरनाक है जो इसमें सांस लेता है, विशेष रूप से वह जो नियमित रूप से ऐसा करता है। ऐसे बच्चे के लिए, जिसके फेफड़े और अन्य अंग अभी विकसित हो रहे और बढ़ रहे हैं, के लिए इसके परिणामस्वरूप अस्थमा और अन्य गंभीर स्वास्थ्य समस्याएं हो सकती हैं।

धुएं का कोई भी स्तर जोखम से मुक्त नहीं है। सिगरेट के धुएं में 250 से अधिक रसायन होते हैं और सैकेंड हैंड (अप्रत्यक्ष धुएं) में स्तर और अधिक ज्यादा होते हैं क्योंकि यह फिल्टर से नहीं गुजरता बल्कि इसकी बजाय सिगरेट को सीधे हवा में जलाने पर उत्पन्न होता है। नियमित रूप से अप्रत्यक्ष धुएं का सामना करने वाले बच्चे ब्रोंकाइटिस, निमोनिया, कान के संक्रमण और यहां तक कि सडन इंफैंट डैथ सिंड्रोम (एस.आई. डी.एस.)के प्रति अधिक संवेदनाशील होते हैं।

अस्थमा क्या है ?

अस्थमा फेफड़ों की क्रानिक सूजन का रोग है जो नलियों (हवा की नलियों) में होने वाले वायु नलिकाओं के आसपास की मांसपेशियों को दबाने पर, सूजन होने पर, हवा की नलियों के अंदर सूजन होने पर तथा अत्यधिक बलगम बनने से ये वायु नलिकाएं संकरी हो जाती हैं और इसलिए फेफड़ो के अंदर हवा आना और जाना मुश्किल हो जाता है। अप्रत्यक्ष धुआं एक जाना माना अस्थमा कारक है। यदि आप धूम्रपान करते हैं तो इसे छोड़ने के बारे में सोचें विशेष रूप से यादि आपके बच्चे को अस्थमा है। अप्रत्यक्ष धुआं फेफड़ों को क्षति पहुंचा सकता है, जिससे दीर्घकालिक श्वसन समस्या हो सकती है या मौजूद श्वास समस्याएं और अधिक बिगड़ सकती हैं।

धम्रपान करने वालों के साथ घर में रहने वाले अस्थमा से पीड़ित बच्चों को :

- प्राय: अधिक बार सांस फूलने की समस्या होती है।
- गंभीर अस्थमा की श्वसन समस्या के कारण एमरजैंसी में ले जाने की संभावना अधिक होती है।
- अस्थमा के कारण स्कूल से अधिक छुट्टियां करनी पड़ती हैं।

ऐसा अस्थमा भी होता है जिसे दवाई से नियंत्रित करना भी अधिक मुश्किल होता है। अस्थमा विशेषज्ञों के अनुसार कार्बन मोनो-आक्साइड, हाइड्रोकार्बन, हाइड्रोजन सल्फाइड तथा पटाखे जलाने से हवा में पैदा होने वाले कणीय पदार्थों से सांस संबंधी दौरा पड़ सकता है।

तनाव घटाना है तो विटामिन बी खाएं

यदि आप कामकाज से संबंधित तनाव कम करना चाहते हैं तो विटामिन बी से भरपूर आहार खूब लें। मांस, सेम और साबुत अनाज में भरपूर मात्रा में विटामिन बी मिलता है। स्विमबर्न यूनीवर्सिटी ऑफ टेक्नोलॉजी के कॉन स्टफने तीन महीने के एक परीक्षण के बाद यह परिणाम पेश किए हैं। अध्ययन में शामिल प्रतिभागियों को इस दौरान विटामिन बी की अतिरिक्त खुराक दी गई थी। ह्यूमन साइकोफार्मेकोलॉजी जर्नल के मुताबिक स्टफ का कहना है कि तनाव कम करके हम दिल से संबंधित बीमारियों, अवसाद व चिंता भी कम कर सकते हैं। शोधकर्ताओं ने व्यक्तित्व, कार्य की आवश्यकताओं, मनोदशा, उत्कंठा और तनाव को ध्यान में रखते हुए 60 प्रतिभागियों का आकलन किया था। इन प्रतिभागियों का 30 दिन और 90 दिन पर परीक्षण किया गया था। उन्होंने कहा तीन महीने की अवधि के अंत में देखा गया कि जिन प्रतिभागियों को विटामिन बी की अतिरिक्त खुराक दी गई थी उनमें इस अध्ययन की शुरुआत की तुलना में अब कामकाज का तनाव कम था। मांस, सेम व साबुत अनाजों में प्रचुर मात्रा में मिलने वाला विटामिन बी मनोवैज्ञानिक स्वास्थ्य के लिए आवश्यक न्यूरोट्रांसमीटर्स के संश्लेषण के लिए महत्वूर्ण होता है।

डायबिटीज आपके लिए शूगर अलार्म

डायबिटीज या मधुमेह ने विश्व के लगभग हर तबके को प्रभावित किया है। अंदाजन 171 मिलियन आबादी को डायबिटीज है-यानी लोगों की इतनी बड़ी तादाद एक ऐसे मर्ज से ग्रस्त है जो लाइलाज है और जिसे केवल मैनेज किया जा सकता है। यह आंकड़ा 2030 तक दोगुना होने का अनुमान है। अफसोस की बात यह है कि विश्व भर में डायबिटिक जनसंख्या का 80 प्रतिशत हिस्सा भारत में जमा होने को है, इस तरह भारत मधुमेह की वैश्विक राजधानी बनने की ओर अग्रसर है।

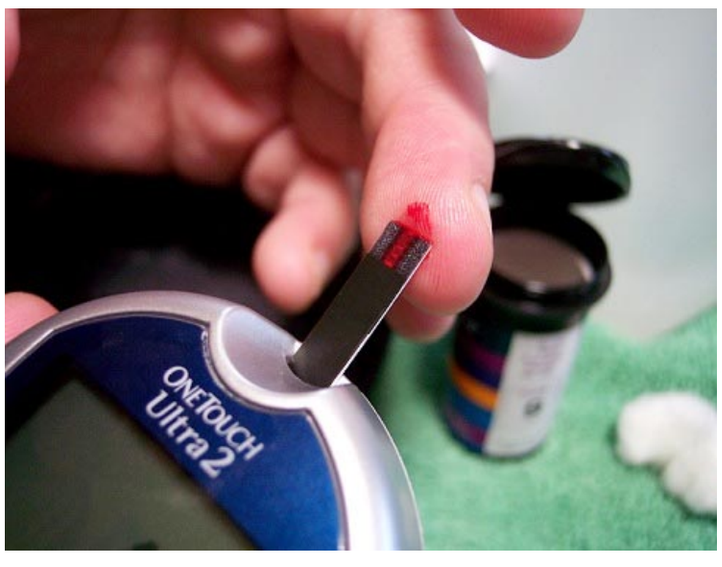

कोई व्यक्ति स्थायी गुर्दा रोग (क्रोनिक किडनी डिसीज-सी.के.डी अथवा क्रोनिक रीनल डिसीज) से तब ग्रस्त होता है जब समय के साथ-साथ उसके गुर्दे स्थायी तौर पर काम करना बंद कर देते हैं। हाल में हुए कुछ अध्ययनों से यह पाया गया है कि यह रोग बहुत महामारी बताया जा रहा है। वैश्विक स्वस्थ्य पर यह बेहद गंभीर खतरा है। भारत में हर साल एक लाख लोग गुर्दा रोग के अंतिम चरण (एंड स्टेज रीनल डिसीज ई.एस.आर.डी.) में पहुंच जाते हैं, जबकि पहले से ही 20 लाख लोग इस रोग से जूझ रहे होते हैं।

इसके बाद गुर्दा प्रत्यारोपण या नियामित डायलिसिस के अलावा और कोई चारा नहीं रह जाता। सी.के.डी. एक खामोश रोग है जो मरीज की सेहत को चुपचाप ग्रसने लगता है और जीवन पर विनाशकारी असर डालता है। 90 प्रतिशत ई.एस.आर.डी. रोग कभी भी नैफ्रोलॉजिस्ट के पास नहीं जाते और ऐसा करने वाले अधिकतर लोगों में से इलाज को जारी रखने में अक्षम होते हैं।

वे इसका कारण इलाज की लागत व बारंबार होने वाला खर्च बताते हैं, अधिकतर भारतीय यह व्यय वहन नहीं कर पाते हैं। इस वजह से भारत में क्रोनिक किडनी फेलियर फैलता जा रहा है। करीबन 7.85 मिलियन लोग इसके शिकार हैं।

डायबिटिक नैफ्रोपैथी

गुर्दा फेल होने के एक-तिहाई केस मधुमेह से संबंधित होते हैं। गुर्दा प्रणाली पर मधुमेह काफी बुरा प्रभाव डालता है। यह गुर्दे के फिल्टरिंग सिस्टम को क्षतिग्रस्त कर देता है। इससे तंत्रिकाओं को चोट पहुंचती है और दर्द होता है। न्यूरोपैथी पूरे शरीर के तंत्रिका तंत्र पर असर डाल सकती है जिससे हाथ बांहें, पांव व टांगें सुन्न हो जाते हैं और उनमें दर्द भी हो सकता है। इसके अलावा पाचन तंत्र, दिल, यौन अंग व शरीर की अन्य प्रणालियों में भी समस्या उत्पन्न हो सकती है। डायबिटिक न्यूरोपैथीज मरीज की जिंदगी की क्वालिटी को बहुत बुरी तरह प्रभावित करती है। हालांकि न्यूरोपैथी के प्राथमिक लक्षण बहुत नापसंद किए जाते हैं, लेकिन सैकेंडरी जटिलताएं (जैसे गिर पड़ना, पैर में जख्म, कार्डियक, आरिद्मिया और आंत्र अवरोध) और भी गंभीर होते इनसे फ्रैक्चर, अंग विच्छेदन तथा मरीज मौत हो सकती है।

इस सर्वव्यापी महामारी को काबू करने बेहद सख्य जरूरत है। इलाज का पहला कदम है रक्त शर्करा के स्तर को सही स्तर पर लाना ताकि आगे और नुक्सान न हो सके। रक्त शर्करा की निगरानी, आहार योजना, शारीरिक सक्रियता और डायबिटीज की दवाओं या इंसुलिन से रक्त शर्करा के स्तर को नीचे लाने में मदद मिलती है।

पेरिफेरल न्यूरोपैथी के मामले में पैर की देखभाल इलाज का अहम हिस्सा है। मरीज को रोजाना अपना पैर देखने की जरूरत है कि कहीं उससें कोई घाव तो नहीं है। अगर संक्रमिक पैर का इलाज न किया गया तो उसके खराब होने या काटने का जोखिम उत्पन्न हो जाता है। इलाज में दर्द से राहत व अन्य दवाओं की भी जरूरत होती है। डायबिटिक न्यूरोपैथी भारतीय स्वास्थ्य प्रणाली पर एक धब्बा है। डायबिटिक के बोझ और इससे जुड़ी स्थायी जटिलताओं (डायबिटिक नैफ्रोपैथी समेत) के खतरे को देखते हुए डायबिटीज की प्राथमिक रोकथाम और सैकेंडरी जटिलताओं से बचाव के लिए नई रणनीतियों की आवश्यकता है। समय पर जांच और सही इलाज इस लक्ष्य की दिशा में पहले कदम हैं।

यदि आप इनमें से कुछ देखते हैं तो डाक्टर के पास जाइए:

- पैर में कोई खरोंच या जख्म जो ठीक नहीं हो रहा, जो संक्रमित है या और खराब होता जा रहा है।
- पैरों या हाथों में असामान्य जलन, झुनझुनी, कमजोरी या दर्द, जो आपकी दिनचर्या या नींद में खलल डालते हैं।
- चक्कर आना।
- पाचन, पेशाब या यौन क्रिया में बदलाव आना।

पेरिफेरल न्यूरोपैथी के मामले में पैर की देखभाल इलाज का अहम हिस्सा है। मरीज को रोजाना अपना पैर देखने की जरूरत है कि कहीं उससें कोई घाव तो नहीं है। अगर संक्रमिक पैर का इलाज न किया गया तो उसके खराब होने या काटने का जोखिम उत्पन्न हो जाता है।

अजय देवगन की फिल्म भोला का टीजर जारी, फिर गंभीर अंदाज में दिखे अभिनेता

अजय देवगन इन दिनों अपनी हालिया रिलीज दृश्यम 2 को लेकर चर्चा में हैं। इधर मंगलवार को उन्होंने अपनी अगली फिल्म भोला का टीजर भी जारी कर दिया है। भोला की भी लंबे समय से चर्चा थी और अब आखिरकार प्रशंसकों को फिल्म की झलक देखने को मिल गई है। यह तमिल फिल्म कैथी का हिंदी रीमेक है। दृश्यम के बाद इस फिल्म में भी अजय के साथ तब्बू नजर आने वाली हैं।

भोला का निर्माण अजय की प्रोडक्शन कंपनी अजय देवगन फिल्म्स ने किया है। यह फिल्म 30 मार्च, 2023 को रिलीज होगी। टीजर में बताया गया है कि फिल्म 3डी में भी रिलीज होगी। टीजर में अजय का किरदार जेल के कैदी के रूप में दिखाया गया है। उसके हाथ में भगवद् गीता और माथे पर भस्म है। टीजर में यह सस्पेंस बनाया गया है कि वो कौन है? इसके जवाब के लिए अब दर्शकों के ट्रेलर का इंतजार करना होगा।

इस फिल्म का निर्देशन खुद अजय ने किया है। फिल्म में मुख्य भूमिका में अजय, तब्बू और राई लक्ष्मी नजर आएंगे। आईएमडीबी के अनुसार फिल्म में संजय मिश्रा और दीपक डोबरियाल भी नजर आएंगे। यह तमिल फिल्म कैथी का हिंदी रीमेक है। कैथी 2019 में रिलीज हुई थी जिसमें अभिनेता कार्ति मुख्य भूमिका में नजर आए थे। भोला का टीजर आने के बाद दर्शकों का कहना है कि सिर्फ अजय ही किसी रीमेक के साथ न्याय कर सकते हैं।

रिपोर्ट्स के अनुसार पहले इस फिल्म का निर्देशन धरमेंद्र शर्मा करने वाले थे। रन वे 34 में निर्देशन के लिए प्रशंसा मिलने के बाद इस फिल्म के निर्देशन की कमान भी अजय ने अपने हाथों में ले ली।

इन दिनों अजय और तब्बू की फिल्म दृश्यम 2 सिनेमाघरों में छाई हुई है। 2015 की दृश्यम के सीक्वल का लोगों को इंतजार था। यही वजह है कि फिल्म रिलीज होते ही अच्छी-खासी भीड़ सिनेमाघरों में देखने को मिली। फिल्म इस साल पहले वीकेंड में सबसे ज्यादा कमाई करने वाली बॉलीवुड की दूसरी फिल्म बन गई है। पहले नंबर पर ब्रह्मास्त्र कायम है। दृश्यम की तरह ही इसके सीक्वल का सस्पेंस भी दर्शकों को पसंद आ रहा है।

भोला के अलावा तब्बू फिल्म कुत्ते का हिस्सा हैं। इस फिल्म का निर्देशन विशाल भारद्वाज के बेटे आसमान भारद्वाज कर रहे हैं। इस फिल्म में अर्जुन कपूर मुख्य भूमिका में दिखेंगे। इसके अलावा तब्बू विशाल भारद्वाज की फिल्म खुफिया का भी हिस्सा हैं। यह एक स्पाई थ्रिलर फिल्म है। अजय की बात करें तो भोला के बाद वह मैदान में दिखेंगे। मैदान फुटबॉल कोच सईद अब्दुल रहीम की बायोपिक फिल्म है। इसमें अजय कोच सईद की भूमिका निभाते दिखेंगे।

मानुषी छिल्लर ने की बोल्डनेस की हदें पार

तस्वीरें देखकर फैंस ने आउटफिट को बताया झाड़ू ड्रेस

एक्ट्रेस मानुषी छिल्लर अपने बोल्ड अंदाज से हर किसी को अपना दीवाना बनाने का माद्दा रखती हैं। उनकी हॉटनेस को देखकर फैंस के दिलों की धड़कनें बढ़ी हुई हैं। वहीं, एक्ट्रेस मानुषी छिल्लर एक बार फिर अपने ग्लैमरस अंदाज को फ्लॉन्ट करती नजर आईं। पूर्व मिस वर्ल्ड मानुषी छिल्लर इन दिनों अपनी लेटेस्ट तस्वीरों को लेकर सुर्खियों में बनी हुई है।

एक्ट्रेस मानुषी छिल्लर येलो कलर की डीपनेक ऑफ शोल्डर आउटफिट में अपनी ग्लैमरस तस्वीरें सोशल मीडिया पर शेयर कीं। बॉलीवुड में फिल्म पृथ्वीराज से करियर का आगाज करने वाली एक्ट्रेस मानुषी छिल्लर अपने ड्रेसिंग सेंस को लेकर चर्चाओं में बनी रहती हैं। तस्वीरों सोशल मीडिया पर वायरल होते ही मानुषी ट्रोल हो गईं, किसी ने उनकी ड्रेस को पर्दा बताया तो किसी ने उनकी ड्रेस को झाड़ू ड्रेस बताया। एक्ट्रेस मानुषी छिल्लर की ये तस्वीरें फैंस को काफी पसंद आ रही हैं। फैंस उनकी तस्वीर को देखकर उन पर फिदा हो रहे हैं। मानुषी छिल्लर अपने फैंस के लिए नई तस्वीरें और वीडियोज शेयर करती रहती है। साथ ही वो सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव रहती हैं। मानुषी छिल्लर की बोल्डनेस और खूबसूरती को देखकर उनके फैंस लाइक्स और फायर इमोजी की बौछार कर रहे हैं। एक्ट्रेस मानुषी छिल्लर के इंस्टाग्राम पर 6.4 मिलियन फॉलोवर्स हैं।

पहली बार आशिकाना 2 में मिताली नाग ने निभाई नकारात्मक भूमिका

मिताली नाग, तेजस्विनी रायजादा के रूप में वेब सीरीज आशिकाना 2 में एंट्री करने वाली है। इसमें मिताली नाग नकारात्मक भूमिका निभाएंगी। इसको लेकर अभिनेत्री ने अपने विचार साझा किए हैं। उन्होंने अपनी बात रखते हुए कहा, मैं टीवी पर नकारात्मक भूमिकाएं लेने के बारे में हमेशा सतर्क रही हूं।

जब कास्टिंग डायरेक्टर, डिंपी ने मुझे इस भूमिका के लिए बुलाया, तो उन्होंने जोर देकर कहा कि मैं इसे करने या न करने का फैसला करने से पहले पूरी बात सुन लूं क्योंकि यह एक रेगुलर वैम्प नहीं है। गुल खान जी से संक्षिप्त जानकारी सुनने के बाद, जो न केवल निर्माण कर रहे हैं बल्कि श्रृंखला भी लिख रहे हैं, मैंने प्रस्ताव स्वीकार कर लिया।

मिताली दिल की नजर से खूबसूरत, गुम है किसी के प्यार में, इस प्यार को क्या नाम दूं सहित कई टीवी शो का हिस्सा रही हैं। अब अभिनेत्री आगामी एपिसोड्स के साथ एक नकारात्मक चरित्र के रूप में वेब श्रृंखला में प्रवेश करती नजर आएंगी। उन्होंने आगे कहा, लेकिन यह चुनौतीपूर्ण है।

मैं कभी इतनी नर्वस नहीं हुई। किसी भी परियोजना के पहले कुछ दिन हमेशा अहम होते हैं। हम टीम के साथ ढल रहे हैं, हम चरित्र में उतर रहे हैं। मुझे विश्वास है कि मैं इसे पूरा कर लूंगी। हालांकि, इस बार दबाव अधिक है। लेकिन मैं पूरी ईमानदारी के साथ तेजस्विनी की अपनी पहली नकारात्मक भूमिका निभाने की कोशिश करने जा रही हूं और मुझे उम्मीद है कि दर्शक उन कार्यों से परे देखें जो वह करती हैं और उन्हें करते समय एक अभिनेत्री के रूप में मेरे प्रयासों की सराहना करें।

हालांकि, करियर के नजरिए से, यह किरदार इस समय उनके लिए मायने रखता है। वह आगे कहती हैं, मानसिक रूप से विकलांग व्यक्ति की भूमिका निभाने के तुरंत बाद एक नकारात्मक किरदार निभाना निश्चित रूप से मुझे एक अभिनेत्री के रूप में दर्शकों को अपनी सीमा दिखाने में मदद करेगा।

एक अभिनेत्री के रूप में, मेरे लिए तेजस्विनी की भूमिका निभाना एक चुनौती होने वाली है।अपने किरदार पर प्रकाश डालते हुए मिताली ने कहा, मेरा किरदार एक शिक्षित, स्टाइलिश, सेक्सी लड़की का है, जो जानती है कि उसे क्या चाहिए और वह उसे पाने के लिए किसी भी हद तक जा सकती है।

लेकिन ध्यान रहे, वह किसी का प्यार नहीं चाहती।उन्होंने आगे कहा, मैंने वास्तव में पिछले सीजन का अनुसरण नहीं किया है। लेकिन मैंने सीजन 2 का पहला एपिसोड देखा। और मुझे यह पसंद आया। यह बहुत मनोरंजक था। इसके अंत तक, मैं अगला एपिसोड देखना चाहती थी।

और वास्तव में, मैं इसे अभी देख रही हूं। पुरुष और महिला लीड की केमिस्ट्री हमेशा किसी भी प्रोजेक्ट की सफलता में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। और यश और चिक्की की केमिस्ट्री स्क्रीन पर बहुत अच्छी है। मैं उनके साथ काम करने के लिए उत्सुक हूं।अभी शूटिंग शुरू हुई है और उम्मीद करती है कि बाकी की शूटिंग सुचारू रूप से चले। गुल खान द्वारा निर्देशित वेब सीरीज आशिकाना 2 डिज्नी प्लस हॉटस्टार पर स्ट्रीम होगी।

पोन्नियन सेल्वन का दूसरा भाग अगले साल अप्रैल में हो सकता है रिलीज

मणिरत्नम की फिल्म पोन्नियन सेल्वन के जरिए अभिनेत्री ऐश्वर्या राय ने चार साल बाद बड़े पर्दे पर वापसी की। यह फिल्म 30 सितंबर को रिलीज हुई थी। इसे दर्शकों के साथ-साथ समीक्षकों की अच्छी प्रतिक्रिया मिली है। फिल्म के दूसरे भाग का इंतजार दर्शक बेसब्री से कर रहे हैं। ऐसी चर्चा है कि पोन्नियन सेल्वन 2 अगले साल सिनेमाघरों में आ सकती है। फिल्म समीक्षक रमेश बाला ने इसकी रिलीज से जुड़ी जानकारी शेयर की है। रमेश ने अपने आधिकारिक ट्विटर हैंडल पर फिल्म की संभावित रिलीज डेट बताई है। उन्होंने अपने ट्वीट में लिखा, फिल्म पोन्नियन सेल्वन 2 के 28 अप्रैल, 2023 को रिलीज होने की संभावना है। हालांकि, मेकर्स ने रिलीज की इस तारीख पर अपनी मुहर नहीं लगाई है। यह फिल्म फिलहाल पोस्ट-प्रोडक्शन स्टेज में है। हाल में फिल्म के

कलाकारों ने इसकी शूटिंग पूरी की है। मेकर्स द्वारा फिल्म को अंतिम रूप दिया जा रहा है। अगले साल अप्रैल में कई फिल्में सिनेमाघरों में दस्तक देने वाली हैं। रणवीर सिंह और आलिया भट्ट की फिल्म रॉकी और रानी की प्रेम कहानी 28 अप्रैल, 2023 को रिलीज होगी। अभिनेता शाहिद कपूर की बुल 7 अप्रैल, 2023 को सिनेमाघरों में आएगी। इसी तारीख को वरुण धवन की बवाल बड़े पर्दे पर आ रही है। इसके अलावा सलमान खान की फिल्म किसी का भाई किसी की जान 21 अप्रैल को रिलीज होने वाली है।

पोन्नियन सेल्वन बॉक्स ऑफिस पर ब्लॉकबस्टर साबित हुई। इसने दुनियाभर में 450 करोड़ रुपये से अधिक का कलेक्शन किया। अब भी चुनिंदा सिनेमाघरों में इसका प्रीमियर हो रहा है। फिल्म कल्कि कृष्णमूर्ति की 1995 में आई उपन्यास पर आधारित है। मणिरत्नम के निर्देशन की इस फिल्म में चियान विक्रम, प्रकाश राज, जयराम, सरथकुमार, प्रभु, ऐश्वर्या लक्ष्मी और शोभिता धूलिपाला नजर आए। इसका संगीत महान संगीतकार एआर रहमान ने दिया है। अमेजन प्राइम वीडियो ने कुछ समय पहले ही फिल्म के दोनों भाग के स्ट्रीमिंग राइट्स हासिल किए थे। पोन्नियन सेल्वन हाल ही में अमेजन प्राइम पर प्रसारित हुई है। थिएट्रिकल रिलीज के बाद पोन्नियन सेल्वन 2 भी इसी स्ट्रीमिंग प्लेटफॉर्म पर आएगी। एक डील के तहत इस स्ट्रीमिंग कंपनी ने 125 करोड़ रुपये का भुगतान करके इसके राइट्स हासिल किए। पोन्नियन सेल्वन 2 को कई भाषाओं में सिनेमाघरों में लाने की तैयारी है। मणिरत्नम ने अपनी उम्दा फिल्मों से भारतीय फिल्म उद्योग को विश्व में पहचान दिलाई है। कई राष्ट्रीय स्तर के पुरस्कारों पर भी उन्होंने अपना कब्जा जमाया। सिनेमा में उनके योगदान के लिए उन्हें पद्मश्री से सम्मानित किया जा चुका है।

शादी के बंधन में बंधने वाली है बिग बॉस-11 की कंटेस्टेंट अर्शी खान

टीवी का चर्चित रियलिटी शो बिग बॉस एक ऐसा शो है जो अक्सर ख़बरों में बना रहता है। साथ ही शो के प्रत्येक सीजन में कोई न कोई ऐसा चेहरा या नाम अवश्य होता है, जो लोगों को हमेशा याद रहता है। इसी प्रकार 'बिग बॉस 11ळ की बात करे, तो इस सीजन में अर्शी खान ने दर्शकों के दिलों में अपनी एक ऐसी पहचान बनाई जिसे इतनी सरलता से भूला नहीं जा सकता है। अर्शी खान ने पूरी आवाम को अपनी अजीब हरकतों से बहुत मनोरंजन किया तथा अब उनकी शादी की खबरें आने लगी है। अर्शी खान का नाम एक बार फिर से ख़बरों में बना हुआ है क्योंकि खबर आ रही है कि अर्शी खान शीघ्र ही शादी के बंधन में बंधने वाली है। हाल ही में अर्शी खान ने एक इंटरव्यू में अपनी निजी जिंदगी से जुड़े हुए कई खुलासा किए। अर्शी खान ने जहां एक ओर तो ईशान मसीह को डेट न करने की बात कही तो वहीं अपने होने वाले शौहर का जिक्र भी कर दिया।

अर्शी खान ने बताया कि उनका होने वाला शौहर मनोरंजन जगत से नहीं है। अब अर्शी आखिर किससे शादी करने वाली है इसके बारे में तो उन्होंने अधिक खबर नहीं दी, मगर इतना अवश्य बता दिया कि वह एक बिजनेसमैन हैं। अर्शी ने कहा कि उन्होंने उनके साथ एक वर्ष पश्चात् शादी करने का निर्णय लिया है। इसके साथ ही उनहोंने कहा कि वो अपने रिश्ते को अभी सार्वजनिक नहीं करना चाहती। उन्होंने कहा कि 'बिग बॉस 14ळ में रहने के समय ही निर्णय लिया था कि वो अपने रिश्ते और निजी जिंदगी को सीक्रेट रखेंगी नहीं तो उन्हें जज किया जाएगा।

जसवंत सिंह गिल बनेंगे अक्षय कुमार, जानिए कब आएगी फिल्म कैप्सूल गिल

अक्षय कुमार साल में कई फिल्में करते हैं। चर्चित इंजीनियर जसवंत सिंह गिल की बायोपिक को लेकर भी वह काफी समय से सुर्खियों में हैं। अब खुद अक्षय ने इस फिल्म पर अपनी मुहर लगा दी है। दरअसल, आज रेस्क्यू डे यानी बचाव दिवस के मौके पर केंद्रीय कोयला और खान मंत्री प्रहलाद जोशी ने जसवंत सिंह गिल को याद किया है। इसके तुरंत बाद अक्षय ने उन्हें जवाब दिया। जसवंत सिंह गिल के सम्मान में ही 16 नवंबर को रेस्क्यू डे घोषित किया गया था। इस मौके पर प्रहलाद जोशी ने लिखा, 1989 में कोयले की खदान से 65 श्रमिकों को बचाने में उनकी वीर भूमिका के लिए स्वर्गीय सरदार जसवंत सिंह गिल जी को याद कर रहा हूं। हमें अपने कोयला खनन के योद्धाओं पर गर्व है। उनके इस पोस्ट के बाद सोशल मीडिया पर फिल्म कैप्सूल गिल पर चर्चा तेज हो गई है।

प्रहलाद जोशी के पोस्ट को रीट्वीट कर अक्षय ने लिखा, यह एक ऐसी कहानी है, जैसी कोई और नहीं। निर्माता वाशु भगनानी ने लिखा, यह हमारा सौभाग्य है कि स्वर्गीय जसवंत सिंह गिल जी की कहानी को हमें एक फिल्म के रूप में लोगों तक पहुंचाने का मौका मिला है। इस पर अक्षय ने लिखा, मेरा सौभाग्य है कि मैं जसवंत सिंह गिल जी का किरदार निभा रहा हूं। यह फिल्म अगले साल दर्शकों के बीच आएगी।

फिल्म का निर्देशन टीनू सुरेश देसाई कर रहे हैं, जिन्होंने इससे पहले अक्षय के साथ रुस्तम में काम किया था। कैप्सूल गिल से अक्षय का लुक भी सामने आया था, जिसमें वह सरदार के गेटअप में दिख रहे थे। अक्षय ने दिलेर सिख जसवंत सिंह गिल की तरह दिखने के लिए काफी मेहनत की है। फिल्म के लिए उन्होंने अपना वजन बढाया है। लंबी दाढ़ी और सिर पर पगड़ी पहने अक्षय, गिल की तरह ही लग रहे थे।

अक्षय ने अपने करियर में रुस्तम, एयरलिफ्ट, पैडमैन और केसरी जैसी कई फिल्मों रियल लाइफ हीरोज की भूमिका निभाई है। वह केसरी, सिंह इज किंग और सिंह इज ब्लिंग जैसी कई फिल्मों में पगड़ी पहने दिख चुके हैं और उन पर पगड़ी जंची भी है।

जसवंत सिंह गिल ने 1989 में अपनी जान जोखिम में डालकर कोयला खदान के 64 मजदूरों की जान बचाई थी। उन्होंने 2.5 मीटर लंबा स्टील का एक कैप्सूल बनाया और उसे एक बोर के जरिए खदान में उतारा। जसवंत ने मजदूरों को उस कैप्सूल के जरिए बाहर निकाला, इसलिए फिल्म का नाम कैप्सूल गिल रखा गया है। दो साल बाद जसवंत को भारत सरकार की ओर से 1991 में सर्वोत्तम जीवन रक्षा पदक से नवाजा गया था।

इस साल अक्षय की पांच फिल्में आई हैं। हालांकि, पांचों को ही दर्शकों से कुछ खास प्रतिक्रिया नहीं मिली। अब वेडात मराठे वीर दौडले सात से अक्षय मराठी फिल्मों में कदम रखने जा रहे हैं। इस फिल्म में वह शिवाजी महाराज की भूमिका निभाएंगे। टाइगर श्रॉफ के साथ अक्षय फिल्म बड़े मियां छोटे मियां में नजर आएंगे। इसके अलावा वह इमरान हाशमी संग फिल्म सेल्फी का भी हिस्सा हैं। अक्षय फिल्म गोरखा से भी जुड़े हुए हैं।